2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

website : www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-5 | अंक-11 जून-2022 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

सावन की हार्दिक शुभकामनाएं।

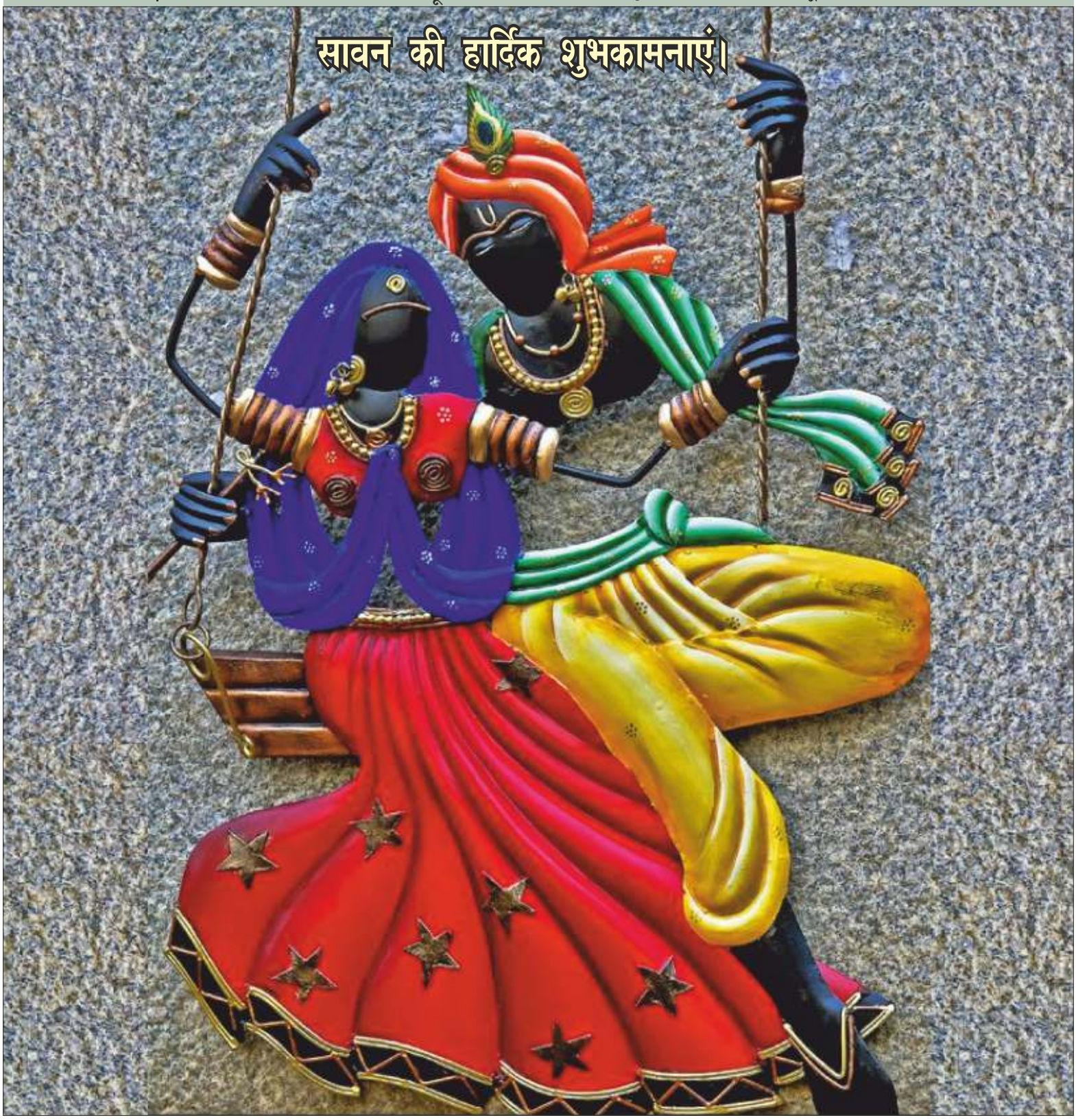

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com, rajprintlinejpr@gmail.com

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		मनोज सिरस्वा	मो. 9414043127
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत - 9352070394 एवं श्रीमती शशि कला बालोदिया।

उप-कोषाध्यक्ष : खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

सामाजिक व्यवस्था के दो महत्वपूर्ण अंग हैं व्यक्ति और समाज हैं। व्यक्ति सही दिशा में चले उसका जीवन न्याय, नीति, सदाचार व सद्वृतियों से युक्त हो, उसके व्यक्तित्व में सद्भावनाओं, सद्गुणों एवं सत्कर्मों का वास हो ये जिम्मेदारी धर्मतंत्र की मानी जाती है। व्यक्ति के व्यक्तित्व को धर्म की आस्था और आध्यात्म से निखारा जा सकता है। सामाजिक विकास की जिम्मेदारी सरकार, प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व की होती है।

भारतीय संस्कृति में भौतिक व बाह्य क्षेत्र राजनीति का है। आंतरिक क्षेत्र, आंतरिक विकास का क्षेत्र धर्मतंत्र का है। जब जब ये दोनों एक दूसरे के पूरक रहे तब तक भारतीय संस्कृति उन्नति की शिखर पर रही है। छत्रपति शिवाजी को यदि गुरु रूप में 'समर्थ गुरु' का सहकार, सहयोग एवं संरक्षण न मिला होता तो क्या उनके लिए इतनी शोर्य की गाथाएं लिख पाना संभव हो पाता। स्वामी समर्थ ने जनता के हृदय में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया, वही शिवाजी को सेना एकत्रित करने, युद्ध कौशल विकसित करने की प्रेरणा दी। धर्मतंत्र व राजतंत्र ये दोनों जब एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करे तब तक भारत की भूमि पर रति देव, दिलीप, रघु, विक्रमादित्य जैसे राजा जन्म लेते रहे। जिनकी उपस्थिति से यह धरती स्वयं को सौभाग्यशाली मानती रही और वे महापुरुष विश्व को कल्याण का पथ अनवरत दिखाते रहे।

धर्मतंत्र यदि जाग जाए तो देश, राष्ट्र, मानवता सभी की दिशा नियंत्रित एवं निर्धारित हो जाती है। धर्मतंत्र जागरण से अर्थ उस तरह के व्यक्तियों के प्राकट्य से है जो मानवता, दया, करुणा आदि का प्रतीक बनकर समाज के आगे मशाल की तरह खड़े हो जाते हैं। यदि वैसे लोग आज खड़े हो जाए तो समाज को फिर से सही दिशा दी जा सकती है। वास्तव में यदि धर्मतंत्र को जगाना है तो इसकी शुरुआत हमारे परिवार से करनी होगी इसके लिए सर्वप्रथम परिवार के मुखिया व वरिष्ठ सदस्यों को धर्म के प्रति आस्था के भाव को जगाना होगा। हमें परिवार के अंदर आपस में सद्भावना सहित व्यवहार कर स्वयं को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करना होगा ताकि परिवार में अनुशासन व मधुर संबंध बन सके। उदाहरण के लिए यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे मोबाइल, टीवी व मीडिया पर कम से कम समय व्यतीत करें, तो सर्वप्रथम स्वयं को संयम में रहना होगा। साथ ही ब्रह्म मुहूर्त में उठकर भगवत ध्यान, पूजा, उपासना के द्वारा अपने जीवन को पवित्र बनाने का अभ्यास करना होगा। योजनाबद्ध रीति से अपनी दिनचर्या का पालन करना होगा। इस प्रकार की व्यवस्था पर स्वत:ही परिवार सुसंस्कारी अनुशासन प्रिय और मधुर संबंधों वाला बन पाएंगा तथा हमारा धर्मतंत्र जागरण अभियान सफल होगा। जब परिवार सही होगा तो समाज सही होगा और दोनों संस्कारी हो तो देश का धर्म तंत्र सही होगा। राजतंत्र तो अपने आप ही धर्मतंत्र को देखकर संस्कारी हो जाएगा।

आज बड़ी खुशी के साथ लिख रहा हूं कि कुमावत समाज के नवयुवक-युवतियां शिक्षा के क्षेत्र में समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। हॉल में घोषित 10वीं तथा 12वीं के परीक्षा परिणामों में समाज के बच्चों के बहुत ही अच्छे अंक अर्जित करते देख बड़ी खुशी हुई। युवा राजकीय वह केंद्रीय सेवाओं में स्थान पा रहे हैं, वे डॉक्टर , इंजीनियर, प्रशासनिक, न्यायिक आदि सेवाओं में चयनित हुए है। इन सभी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से बधाई एवं उज्वल भविष्य की कामना। लगभग 50 वर्ष पूर्व हमारे समाज के करीबन 95% लोग खेती व समाज का पुश्तैनी कार्य कर रहे थे। सरकारी नौकरियों में संख्या लगभग नगण्य थी। वही आज समाज के लगभग 50% लोगों ने नौकरियों व अन्य व्यापार में हिस्सा बंटाते हुए समाज को आगे बढ़ाया है।

आज हम कुरीतियों को छोड़कर तथा ऊंच-नीच का भेद मिटाकर समाज रूपी रथ को और आगे उत्कर्ष राह पर ले जायेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। धन्यवाद!

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विशिष्ठ संरक्षक : श्री प्रहलादराय नोखवाल, श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत	4
मेगा रक्तदान शिविर के लिए चेतन कुमावत ने किया पोस्टर का विमोचन	5
स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा दी गई जूस सेवा	5
कनिष्का कुमावत (गुड़ीवाल) ने भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर को कराया योगासन	5
शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया ने बच्चों को दिया प्रशिक्षण	6
अमेरिका में कला का रंग बिखेरेंगे जयपुर के शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया	6
राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप : खुशी कुमावत ने गोल्ड मेडल जीता	6
संरक्षक : हेमन्त वर्मा	6
दसवीं की मेरिट लिस्ट में आने वाली टीना का सरपंच ने किया सम्मान	7
तनय कुमावत 10वीं की जिला मैरिट में प्रथम	7
लाईसीअम् स्कूल का 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम	7
जोबनेर के 5 खिलाड़ियों ने 6 पदक जीते	7
पवन कुमावत का भारतीय टीम में चयन	7
विजय वर्मा को बेस्ट आर्टिस्ट अवार्ड	7
पांच खेड़ा, उदयपुर के चुनाव सम्पन्न	8
शालीनता व समाज सुधार पर कुमावत समाज पाली की पहल	8
आकेड़ा चौड़ में शिव मंदिर की स्थापना	8
लुम्बिनी, नेपाल में वर्ल्ड पीस फेस्टीवल-2022 आर्ट वर्कशॉप	9
सामुहिक एकादशी उद्यापन कार्यक्रम	9
डा. अनुरोध दादरवाल कार्डियोलॉजिस्ट ने यूरो पीसीआर 2022 में रिसर्च पेपर पढ़ा	9
याशिका कुमावत MTV मिस वर्ल्ड में भाग लेगी	9
अंचल कुमावत का वायुसेना में चयन	9
श्री मनोज सिरस्वा श्री गोपालधाम आश्रम के ट्रस्टी बने	10
बड़नगर कार्यकारणी का गठन एवम् युवा मिलन समारोह सम्पन्न	10
प्रथम जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न	10
बुजुर्गों को दें सम्मान एवं समय	10
भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के अध्यक्ष चेतन कुमावत को दिया ज्ञापन	11
भन्दे बालाजी कुमावत धर्मशाला तथा जयपुर बाल निवास	11
श्री बाबा रामदेव मंदिर का निर्माण प्रगति पर	11
मां वैष्णो देवी के लिए पदयात्रा 8 जुलाई को	11
चेनसुख कुमावत, बगरू क्षेत्र अध्यक्ष मनोनीत	11
जीवन के आधार-"पिता"	12
सरोज पिपलोदा को सब इंस्पेक्टर पद पर नियुक्ति	12
राजस्व न्यायालयों में कुमावत समाज के अधिवक्ताओं की नियुक्ति हुई	12
'आम' की बात	13
सरकारी सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह	14
हर बेटी को दिलाएं सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग	14
12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं	15
10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं	16
मिताली आशुतोष द्वारा महापौर का माल्यार्पण कर सम्मान किया	17
विशिष्ठ संरक्षक : श्री घनश्याम कुमावत (देवतवाल), श्री घनश्याम कुमावत	17
कुमावत समाज की एक बेटी, जो लगातार योग में बना रही है वर्ल्ड रिकार्ड	18
नरेश कुमावत बनायेंगे भगवान परशुराम की 51 फिट कास्य प्रतिमा	18
नरेश कुमावत भारत गौरव अवार्ड के लिए चयनित	18
समान नागरिक संहिता	19
जीवन में गुरु का महत्व	20
व्यावहारिक दैनिक टिप्स	21
जब पेड़ और आंगन हो रहे हैं खत्म, तो कहां पड़ें सावन के झूले	22
विश्व जनसंख्या दिवस - 11 जुलाई	23
विशिष्ठ संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
स्मृति शेष : स्व. श्री ओम प्रकाश कण्डेरीवाल	28
श्री रमेश चन्द वर्मा	28
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की मीटिंग सम्पन्न	28
आँखे दान कर किसी दूसरे को दुनिया दिखाने में बने सहारा	29
श्रद्धांजलि	29

विशिष्ठ संरक्षक

श्री प्रहलादराय नोखवाल

निवासी-ग्राम किशन मानपुरा वाया भदाल, पंचायत समिति गोविंदगढ़, जिला जयपुर मो. 9324547295

आपका जन्म श्रीमती पतासीदेवी -श्री रामपाल नोखवाल के एक साधारण किसान परिवार में हुआ। आपकी शिक्षा कक्षा 7 तक हुई एवं आर्थिक परेशानी से आगे नहीं पढ़े तथा बाटा शॉप में कार्य किया। आप श्री सरवन दंबीवाल मामाजी के यहां इंदौर जा कर बिल्डिंग लाइन का काम सीखा। किंतु किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। आप मुंबई चले गए, आपकी फर्म सुनील कंस्ट्रक्शन मुंबई व रचना एंटरप्राइजेज मुंबई, हाडोता (चौमूं) जयपुर में सतनाम टाइल्स एंड बिल्डिंग मेटेरियल सप्लायर व सतनाम टिंबर एंड हार्डवेयर, GPRS Foundation तथा मणिका इन्फ्रास्ट्रक्चर जयपुर हैं। आप कुशल व्यवसाई है। आपका विवाह स्व. श्रीजगनाथ जी ग्राम परशुरामपुरा, सीकर की बेटी गौरी देवी के साथ हुआ।

आपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाई आपकी पुत्री श्रीमती पूजा एम. कॉम. तथा डॉक्टर रचना हैं। आप व्यवसाय के सिलसिले में लगभग आधे-आधे समय मुंबई व जयपुर में रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

विशिष्ठ संरक्षक

श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत

(पुत्र श्री कुन्दनमल जी सिरस्वा)

ए-48, आर्यनगर, मुरलीपुरा, जयपुर-302039

मो. 98297 91846

आपका जन्म पचार, जिला सीकर में 28 जून 1962 को श्रीमती कमला देवी-श्री कुन्दमल सिरस्वा के परिवार में हुआ। आपने AMIE (B.Tech. Eq.), PGDMM तक शिक्षा ग्रहण की है। आप एयर फोर्स में 15 वर्ष सेवा करने के बाद 1994 में सीनियर नॉन कमीशंड ऑफिसर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। इसके बाद 2 वर्ष ऑटो लाइट इंडिया (लिमिटेड) में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 1996 में राजस्थान राज्य विद्युत मंडल में जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्त हुए तथा 25 साल बाद जयपुर डिस्कॉम से सहायक अभियंता पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। आपमें संगठन व नेतृत्व के विशेष गुण है। आप विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हुए हैं जिनमें 1. एयर फोर्स एसोसिएशन, राजस्थान के संस्थापक अध्यक्ष, 2. पचार एकता मंच जयपुर के अध्यक्ष, 3. पावर सेक्टर्स कुमावत के संयोजक, 4. जयपुर डिस्कॉम इंजीनियर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हैं।

आप द्वारा भारत के चार धामों की यात्राएं तथा द्वादश ज्योतिर्लिंग आदि स्थानों की यात्राएं कर धार्मिक अनुभव भी प्राप्त किया है। आप सामाजिक रूप से जुड़े हुए हैं तथा मृदु स्वभाव के धनी हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

मेगा रक्तदान शिविर के लिए चेतन कुमावत ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर। स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर द्वारा किया गया। स्वामिनी सेवा संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने बताया कि आयोजन समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों के साथ जिलाध्यक्ष के निवास पर चेतन कुमावत के कर कमलों से पोस्टर का विमोचन किया गया। **संस्था द्वारा यह छठा विशाल रक्तदान शिविर रविवार 3 जुलाई 2022 को प्रातः 8:30 से 3:00 बजे तक बंदडेश्वर महादेव मंदिर, कुमावत कॉलोनी, ईएसआई हॉस्पिटल के सामने, कुमावत स्कूल के पीछे सोडाला, जयपुर** पर आयोजित किया जा रहा है।

पोस्टर का विमोचन करते समय चेतन कुमावत ने बताया एक स्वस्थ व्यक्ति को ब्लड अवश्य देना चाहिए इससे हम किसी की जिंदगी बचा सकते हैं। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत, मंत्री गोविंद वर्मा, कोषाध्यक्ष गुरुदयाल वर्मा, सहायक मंत्री महेंद्र कुमावत, जयसिंह कुमावत, खेमचंद कुमावत, संदीप कुमावत, ओम प्रकाश शर्मा व मनोज सिंह मौजूद रहे।

स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा दी गई जूस सेवा

स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा कुमावत स्कूल, सोडाला के सामने जूस व केरी की छाछ पिलाई गई। स्वामिनी सेवा संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने बताया कि आमतौर पर निर्जला एकादशी की अवसर पर अधिकतर लोग जूस, शरबत, आमरस सेवा देते हैं। सभी लोग एक साथ सेवा देने के कारण लोग उसे वेस्ट करते हैं। इसलिए हमने दूसरे दिन यह सेवा करने का निर्णय किया है। संस्था के मंत्री गोविंद वर्मा ने बताया कि जूस व केरी की छाछ बनाने के लिए संस्था के सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर सहयोग किया है।

इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष गुरूदयाल वर्मा, सहायक मंत्री महेंद्र कुमावत, मीडिया प्रभारी राहुल कुमावत, भानु कुमावत, सूरज कुमावत मुकेश कुमावत एडवोकेट, अनिल गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, हेमंत गुप्ता, विमल कुमावत, कैलाश कुमावत, राकेश कुमावत एडवोकेट, खेमचंद खड़गटा, जयसिंह कुमावत भाजपा अध्यक्ष वार्ड 141, जयराज कुमावत, संजय गौड़, घनश्याम सैनी ने भी अपनी सेवाएं दी।

नन्ही बालिका कनिष्का कुमावत (गुड़ीवाल) ने भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर को कराया योगासन

योग को प्राचीन भारतीय कला का एक प्रतीक माना जाता है। भारतीय योग को जीवन में सकारात्मकता और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। इस दिन को मनाने का उद्देश्य योग के प्रति लोगों में जागरुकता पैदा करने के साथ लोगों को तनावमुक्त करना भी है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर द्वारा योग कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाध्यक्ष कार्यालय निर्माण नगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हीं बालिका कनिष्का कुमावत (गुड़ीवाल) ने सर्वांग आसन, सूर्य नमस्कार, शीर्ष आसन, पवन मुक्त आसन, वज्रासन, भुजंगासन आदि का अभ्यास करवाया तथा कार्यक्रम को संचालित किया। यह भी बताया कि इन आसनों से किन-किन रोगों को दूर किया जा सकता है।

इस अवसर पर चेतन कुमावत ने कहा कि सभी बीमारियों के इलाज की रामबाण दवा है योग। नियमित रूप से योग करने से किसी भी बीमारी को ठीक किया जा सकता है। योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाने का श्रेय हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने कहा की आज भारत ही नहीं अपितु 170 देशों में योग दिवस मनाया जा रहा है।

इस मौके पर महेश सैनी, जयसिंह कुमावत, उषा कुमावत, कनिष्का, मोनू साहू, राकेश कुमार कुमावत एडवोकेट, खेमचंद खडगटा, सौभागमल कुमावत, श्रवण कुमावत ओमप्रकाश शर्मा, पीयूष कुमावत, दौलत सिंह, संदीप कुमावत, सुखदेव सैन, जयेश व अनेक भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर

शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया ने बच्चों को दिया प्रशिक्षण

सिटी पैलेस परिसर में 1 जून से 30 जून 2022 तक सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय व सरस्वती कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

सरस्वती कला केन्द्र के सचिव शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया ने बताया कि 1 माह के इस शिविर में मिनियेचर पेंटिंग के अलावा ध्रुवपद, कथक, पेंटिंग, बांसुरी और मांडणा जैसी पारम्परिक कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

मिनियेचर पेंटिंग में जयपुर व कांगडा शैली के आधार पर चित्र बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कला में की बारीकियां यथा किन रंगों का प्रयोग किया जाता है, कैसे ब्रुश चलाई जाती है इसका प्रशिक्षण दिया गया। शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया ने बताया कि 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इस प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया।

अमेरिका में कला का रंग बिखेरेंगे जयपुर के शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया

शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया अपनी कला का प्रदर्शन व प्रशिक्षण देने के लिए 19 जून 2022 को टैक्सास, अमेरिका जायेगें। मारोठिया का चयन विकास आयुक्त हस्तशिल्प, भारत सरकार द्वारा किया गया है। मारोठिया मिनियचर पेन्टिग के चित्रकार हैं।

शिल्पगुरू बाबूलाल मारोठिया 22 से 25 जून 2022 तक डालस मारकेट सेंटर, टैक्सास, अमेरिका में आयोजित होने वाले आर्ट शो में अपनी कला का रंग बिखेरेंगे। 4 दिवसीय इस आर्ट शो में मारोठिया अपनी बनाई हुई जयपुर व मुगल शैली की 30 पेन्टिग्स प्रदर्शित करेंगे तथा युवा कलाकारों को मिनियचर की बारीकियाँ सिखायेगें।

मारोठिया इससे पहले भी अमेरिका के शिकागो में वर्ष 2008 एवं वर्ष 2010 और न्यूयार्क में वर्ष 2009 में अपनी कला का प्रदर्शन व चित्रकला का प्रशिक्षण दे चुके हैं। मारोठिया पिछले 24 वर्षों से 30 से अधिक देशों में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं।

संरक्षक

श्री हेमंत वर्मा

(पुत्र श्रीमती दमयंती-श्री टोडरमल वर्मा खोवाल)
निवासी डी-102, लालकोठी मार्ग, सिवाड़ एरिया,
बापूनगर, जयपुर 302015 मो. 9829047123

आप केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं कस्टम विभाग में सेवारत है। आपके पुत्र अनिमेश वर्मा MNC में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है एवं अकुल वर्मा BCA में अध्ययनरत है। आपकी पत्नी श्रीमती बीना कुमावत ग्रहणी है तथा परिवार का कुशलता से संचालन कर रही है। आप स्वयं उच्च शिक्षित एवं मृदु स्वभाव के धनी है तथा बच्चों को भी अच्छी शिक्षा दिला कर मान बढ़ाया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप : खुशी कुमावत ने गोल्ड मेडल जीता

राष्ट्रीय गो जू रियो कराटे चैंपियनशिप, हनुमानगढ़ में जयपुर की खुशी कुमावत (पुत्री श्रीमती उषा देवी-श्री शेर सिंह कुमावत) ने 13 वर्ष की सब जुनियर केटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। खुशी ने जीत का श्रेय कोच व माता-पिता को दिया।

गोल्ड मेडल जीत कर खुशी कुमावत ने कुमावत समाज को गौरांवित किया है, **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से खुशी को बधाई व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभ कामना।

दसवीं की मेरिट लिस्ट में आने वाली टीना का सरपंच ने किया सम्मान

जोबनेर। निकटवर्ती ग्राम पंचायत बवेरवालों की ढाणी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बबेरवालों की ढाणी की होनहार छात्रा जयपुर जिले की मेरिट लिस्ट में जगह बनाने वाली टीना कुमावत ने दसवीं बोर्ड में 95% अंक प्राप्त करने पर करने पर स्थानीय सरपंच ममता कुमावत ने टीना कुमावत के घर पहुंचकर हौसला अफजाई किया और बधाई शुभकामनाएं दी और कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं बेटियों ने आज पूरा राज्य में अपना परचम फहराया है। मुझे गर्व है कि मेरी पंचायत की टीना कुमावत ने जयपुर जिले की मेरिट लिस्ट में स्थान बनाया है, मैं बेटियों के लिए हर समय, हर संभव सहयोग, हर समस्या के समाधान के लिए खड़ी रहूंगी।

तनय कुमावत 10वीं की जिला मैरिट में प्रथम

नारायणगढ़, जिला मन्दसौर, म.प्र. निवासी तनय कुमावत कक्षा 10 में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला मैरिट में प्रथम स्थान अर्जित किया। तनय के पिता नागेश्वर कुमावत घोड़ेला टेलरिंग का कार्य करते हैं तथा इनकी माताजी पार्वती कुमावत जो गृहणी है। एक साधारण परिवार से तनय ने इस बुलन्दी को छुआ है, इसके लिए 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

लाईसीअम् स्कूल का 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम

लाईसीअम् विद्यापीठ सीनियर सैकण्डरी स्कूल, करतारपुरा, जयपुर के 10वीं के छात्रों का परिणाम उत्साहवर्धक रहा। इस विद्यालय के साहिल कुलदीप ने 96.33%, दिव्या बैरवा ने 89.83% तथा दीपक सोनवाल ने 89.50% अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस विद्यालय के संचालक श्री सुनील कुमावत के नवाचारों एवं मार्गदर्शन में अध्यापकों द्वारा पढ़ाई की नई तकनीक एवं सकारात्मक सोच के कारण अन्य विद्यार्थियों ने भी अच्छे अंक प्राप्त किए हैं।

पूर्व उपमहापौर श्री विमल कुमावत तथा विद्यालय के निदेशक श्री सुनील कुमावत ने अच्छे अंक प्राप्त करने पर विद्यार्थियों तथा अच्छे परिणाम दिलाने के लिए अध्यापकों का अभिनन्दन किया।

यूनिवर्सिटी गेम्स 2021-22, जम्मू 23-25 मई 2022

जोबनेर के 5 खिलाड़ियों ने 6 पदक जीते

माधव यूनिवर्सिटी, सिरोही में अध्ययनरत जोबनेर के 5 खिलाड़ियों ने जम्मू में आयोजित यूनिवर्सिटी गेम्स 2021-22 में 6 पदक जीतकर कुमावत समाज का परचम फहराया है। दीपिका कुमावत ने एक स्वर्ण एक कांस्य पदक, मनीष कुमावत ने एक रजत, रिया कुमावत ने दो कांस्य तथा कर्मवीर ने एक कांस्य पदक जीते है। इस जीत में कोच महेश कुमावत व सह कोच धीरज कुमावत का विशेष योगदान रहा।

पवन कुमावत का भारतीय टीम में चयन

9वीं स्ट्रेन्थलिफ्टिंग इन्क्लाइन बैंच प्रेस वर्ल्ड चैम्पियनशिप, कीर्गिस्तान में 5-10 सितम्बर, 2020 को होगी, जिसमें जयपुर के पवन कुमावत का भारतीय टीम में चयन किया गया है। श्री पवन कुमावत ने हॉल ही में सम्पन्न सीनियर नेशनल स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में 76 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। आप देश के लिए 9 स्वर्ण व 1 कास्य पदक जीत चुके हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भारतीय टीम में चयन के लिए श्री पवन कुमावत को बधाई एवं सफल होने के लिए शुभकामना।

विजय वर्मा को बेस्ट आर्टिस्ट अवार्ड

अंतर्राष्ट्रीय कलर कार्निवल शो-2022 सिलीगुड़ी, प. बंगाल में 15 जून 2022 को आयोजित हुआ था। लैंडस्केप के लिए श्री विजय वर्मा, मुंबई को 'बेस्ट आर्टिस्ट अवार्ड' के लिए चयनित किया गया। श्री विजय वर्मा आर्टिस्ट को 'बेस्ट आर्टिस्ट अवार्ड' के लिए चयनित होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

पांच खेड़ा, उदयपुर के चुनाव सम्पन्न

12-06-2022 को कुमावत भवन, नाराघाटी, अम्बामाता कुमावत भवन पर कुमावत समाज पाँचखेड़ा संस्थान,उदयपुर की कार्यकारिणी गठन हेतु चांदपोल-मुकुंदपुरा,कुमावत-सूरजपोल,पुलां-भुवाणा ,देवाली एव धोलीबाबड़ी-सकरामपुरा क्षेत्रों से चुने हुए '57' प्रतिनिधियों द्वारा सम्पूर्ण निर्वाचन प्रकिया की अनुपालना करते हुए निम्न पदों के चुनाव संपन्न हुए। श्री रमेश चन्द्र जी बातरा, मुख्य चुनाव अधिकारी एव श्री सतेंद्र जी अजमेरा, सहायक चुनाव अधिकारी ने परिणाम घोषित कर नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया। विजयी उम्मीदवार निम्नानुसार रहे :-

1- अध्यक्ष पद पर दयाशंकर भदानिया
2- उपाध्यक्ष पद पर मोहन लाल धनारिया
3- महामंत्री पद पर लक्ष्मी लाल बातरा
4- मंत्री/सचिव पद पर भगवती लाल माननिया
5- कोषाध्यक्ष पद पर पंकज टाँक
6- संगठन मंत्री पद पर अनूप टाँक
7- प्रचार-प्रसार मंत्री पद पर पुरुषोत्तम उदीवाल
8- कार्यालय मंत्री पद पर शंकर लाल भदानिया

तत्पश्चात मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा विजयी प्रत्याशियों को शपथ दिलवाई गई।

- दयाशंकर भदानिया, अध्यक्ष

शालीनता व समाज सुधार पर कुमावत समाज पाली की पहल

पाली कुमावत समाज के 19 खेड़ा ग्रामों में रहने वाले समाजजनों ने बैठक में शालीनता व समाज सुधार की दिशा में पहल करते हुए महत्पूर्ण निर्णय लिए। लक्ष्मण टांक व बोहरा राम मालवीय के अनुसार विवाह एक संस्कार है तथा दूल्हे को एक राजा के रूप में देखा जाता है। फैशन में आजकल दूल्हे दाढ़ी बढ़ाकर रस्म अदायगी करते हैं जो उचित नहीं है। निर्णय गांव के लोगों पर लागू होगा-

- दूल्हा अब क्लीन शेव होगा
- डीजे पर बिंदोरी नही निकलेगी
- हल्दी की रस्म में पीले कपड़े पीले फूल व पीला ही श्रंगार पर फिजूल खर्च बंद।
- सगाई दस्तूर, विवाह, मायरा, डूंढ आदि सामाजिक कार्यक्रमों में लेनदेन तथा पकवानों की संख्या सीमित की।

इन फैसलों को नहीं मानने पर सामाजिक दंड देने का भी निर्णय लिया गया है। **पाली कुमावत समाज की इस पहल की चहुं ओर प्रशंसा हो रही है पर इससे जो बचत होगी वह राशि बच्चों को शिक्षित करने व समाज उत्थान में उपयोग में लेने की कार्ययोजना भी बनाई जाए तो उचित होगा।**

आकेड़ा चौड़ में शिव मंदिर की स्थापना

भट्टों की गली, ग्राम आकेड़ा चौड़, तहसील आमेर जिला जयपुर में श्री सेडू राम कुमावत के द्वारा इष्ट मित्रों, सगे संबंधियों शुभ आशीष तथा परिवारजनों के सहयोग से भव्य शिव मंदिर का निर्माण करवाया गया है। 31 मई 2022 को गाजे-बाजे के साथ शिव पंचायत व अन्य मूर्तियों को नगर भ्रमण करवाते हुए महिलाओं ने 251 कलश यात्रा निकाली जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। मुख्य यजमान श्री सेडू राम मारोठिया व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चंपा कुमावत को पंडितों ने ध्वज प्रदान कर कलश यात्रा को रवाना किया। 1 जून 2022 को रेवासा धाम के मुख्य संत राघवाचार्य जी महाराज, पलसाना के महंत मनोहर शरण जी महाराज, जयपुर से भागवत कथा वाचक श्री मुरली मनोहर अकिंचन जी महाराज तथा रामपुरा हरिहर आश्रम के संत संतोष दास जी महाराज उपस्थिति में पूर्ण विधि विधान से मुख्य यजमान ने सपत्नीक मंत्रोच्चार के साथ शिव पंचायत व बजरंगबली की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई, हवन कर 1,51,000 आहुतियां दी, महाआरती की तथा प्रसादी का आयोजन किया गया।

सायं विशाल भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 3000 व्यक्तियों ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण, समाजसेवी प्रबुद्धजन तथा आसपास के लोग ने उपस्थित हुए।

लुम्बिनी, नेपाल में वर्ल्ड पीस फेस्टीवल-2022 आर्ट वर्कशॉप

Lumbini (Nepal)world peace for festival-2022 Art workshop में अतिथि चित्रकार (मुकेश कुमावत) किशनगढ़,अजमेर राजस्थान से प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान हुआ। यहाँ नेपाल के कलाकारों के साथ मुम्बई, दिल्ली, बिहार से कलाकार समिलित हुए। दो दिवसीय कार्यशाला में भगवान गौतम बुद्ध की जन्म स्थली लुम्बिनी में बुद्ध पर चित्रण कार्य हुआ।

इसके साथ ही भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आगमन व उनके कार्यक्रम में समिलित होने का गौरव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उनकी राजस्थानी पोशाक ने सभी आये अथितियों और न्यूज चैनलों का ध्यान आकर्षित किया व राजस्थान की पहचान अलग ही देखने को मिली एवं सभी नेपालवासियों का सम्मान मिला। अभिनेत्री मनीषा कोईराला के द्वारा कार्यक्रम का समापन

किया गया। उन्होंने अथिति कलाकारों को सम्मान प्रदान किया।

श्री मुकेश ने गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी जी को स्वयं की बनाई पेंटिंग भेंट की, उन्होंने भी श्री मुकेश कुमावत का सम्मान किया।

सामुहिक एकादशी उद्यापन कार्यक्रम

उदयपुर कुमावत समाज ने समाज सुधार की एक नई पहल करते हुए सामुहिक एकादशी उद्यापन का कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के तहत पुलां स्थित समाज के नोहरे से 151 महिलाएं कलश लेकर गाजे बाजे व मंगल गीत गाते आर.के. चौराहा होते हुए पथवारी पहुँची, इसमें समाज के लगभग 5000 लोग साथ थे। मार्ग में मंगल गीत : ''सोना की पथवारी माता ये री आज वारा.....''''भैरू बारां बीघा से चूतरो, गंगा रा भैरू आवो....'', ''अबे गंगा रा वासी कागद आया, गवाया लीदा ये मारी गंगा ए माता'' गाते महिलाएं रंग-बिरंगे परिधानों से सजी चल रही थी। कार्यक्रम में 35 जोड़ों ने सामुहिक एकादशी उद्यापन किया। इसके बाद सामुहिक भोजन का आयोजन हुआ।

श्री दयाशंकर रावडिया ने बताया कि यह कार्यक्रम सामाजिक परम्परा को जीवित रखने हेतु किया गया, इसमें सामुहिक आयोजन करने पर व्यक्तिगत रूप से उद्यापन करने पर होने वाले खर्च की भी बचत हो सकी। सामुहिक उद्यापन कार्यक्रम एक नवीन व अनूठी पहल है, इससे एक ओर मिलजुल कर धूमधाम से आयोजन होता है वहीं व्यक्तिगत खर्च की बचत होती है।

पाठकों के लिए विशेष सूचना

'कुमावत इंडिया' पत्रिका को अगस्त, 2022 में पांच वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। सफलतम पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का जुलाई-अगस्त, 2022 का संयुक्त अंक **विशेषांक के रूप में** अगस्त माह में प्रकाशित किया जाएगा।

- सम्पादक

डा. अनुरोध दादरवाल कार्डियोलॉजिस्ट ने यूरो पीसीआर 2022 में रिसर्च पेपर पढ़ा

डा. अनुरोध दादरवाल कार्डियोलॉजिस्ट ने फ्रांस में यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजिस्ट (यूरो पीसीआर 2022) में अपना रिसर्च पेपर 'डिस्टल एवं प्रोक्समल रेडियल एक्सेस द्वारा कोरोनरी इंटवेंसन के रेंड माइजड कंपेरीजन' प्रस्तुत कर भारत का गौरव बढ़ाया हैं।

डा. अनुरोध दादरवाल मंगलमप्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल, जयपुर में कार्यरत हैं।

याशिका कुमावत ने जीता MTV मिस वर्ल्ड टाइटल

मिस दिवा राजस्थान की इंटरनेशनल विनर याशिका कुमावत ने लेबनान में मिस वर्ल्ड नेक्सट टॉप मॉडल एशिया का क्राउन जीता। याशिका ने इस प्रतियोगिता के लिए फिजियोथेरेपी का कोर्स जयपुर से किया। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से याशिका कुमावत को हार्दिक बधाई।

अंचल कुमावत का वायुसेना में चयन

समाज की बेटी अंचल कुमावत अब लड़ाकू विमान उड़ाएगी। अंचल कुमावत का भारतीय वायुसेवा में चयन हुआ है। चयन होने पर कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई !

श्री मनोज सिरस्वा श्री गोपालधाम आश्रम के ट्रस्टी बने

श्री मनोज सिरस्वा (पुत्र स्व. श्रीमती नर्वदा देवी एवं स्व. श्री नृसिंह प्रसाद सिरस्वा) के आश्रम से जुड़ाव को मध्यनजर रखते हुए उन्हें श्री गोपालधाम आश्रम में ट्रस्टी बनाया गया है। आप इस आश्रम में लम्बे समय से जुड़े हुए हैं। आप पचार (सीकर) के निवासी हैं तथा वर्तमान में आप 31-32, सीताराम कॉलोनी, रामनगर, जयपुर में निवास कर रहे हैं।

आपके पिता के निधन के पश्चात आप नौकरी करते हुए बिना पारिवारिक मदद के फर्म मारुति जैम्स, अजबघर का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर में जवाहरात का व्यवसाय प्रारम्भ किया। आप जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन के आजीवन सदस्य है। आप सामाजिक जन संघर्ष समिति के फाउण्डर अध्यक्ष हैं जिसमें नि:शुल्क शिक्षा एवं सेल्फ डिफेन्स में लकड़ी संचालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के भी ट्रस्टी हैं, कुमावत क्षत्रिय सामुहिक विवाह समिति में परामर्शदाता तथा पचार एकता मंच जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य एवं वाणिज्य सचिव हैं।

बड़नगर कार्यकारणी का गठन एवम् युवा मिलन समारोह सम्पन्न

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) युवा प्रकोष्ठ एवम् कुमावत युवा संगठन मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में उज्जैन, इंदौर, मन्दसौर, नीमच ,देवास, धार, अन्य जिलों से 250 से अधिक युवाओं ने भाग लिया जिसमें प्रदेश कार्यकारणी की घोषणा की गई: प्रदेश मंत्री अतुल लाड़ना साँवेर एवम् प्रदेश कोषाध्यक्ष बाबूलाल अजमेरा उज्जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष लोकेश कुमावत मन्दसोर।

जिला अध्यक्ष राजाराम पडियार मन्दसौर, उदयलाल देवाल धार ,दशरथ कुमावत देवास, रामप्रसाद कुमावत नीमच वालो की घोषणा की गई एवम् उज्जैन नगर अध्यक्ष दीपक जी गोठवाल एवम् जिले नगर के पधाधिकारियो की घोषणा की गई एवम् इस आयोजन के साथ साथ कुमावत धर्मशाला बड़नगर में पोधारोपण किया गया। सभी युवाओं को एक एक पौधा सौपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुमावत जागृति के पत्रकार श्री मनोहर लाल कुमावत को साफा बाँधकर स्वामी विवेकानन्द सम्मान से सम्मानित किया गया। सभी उपस्थित युवाओं ने अपना परिचय दिया इसके पश्चात सभी युवाओं का महाकाल बाबा के दुपट्टे पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में संयोजक एवम् प्रदेश उपाध्यक्ष अजय दोराया ने आभार व्यक्त किया।

कुमावत राजेश देतवाल
प्रदेश अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ)

प्रथम जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा युवा प्रकोष्ठ तत्वाधान में माँ चामुंडा की नगरी देवास में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। इसमें युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश देतवाल भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा मुख्य अतिथि थे। समारोह में संगठन मंत्री मुरली सलवाडिया, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रह्लाद टिकोलिया, प्रदेश परामर्शदाता सदाशिव जी मेरावण्डिया, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य केलाश जी सलवाड़ीया, उज्जैन जिला अध्यक्ष इंजी. कपिल कुमावत, इंदौर जिला अध्यक्ष मनीष चोरमा व इंदौर नगर अध्यक्ष जितेंद्र मुंडेल, एवम आदरणीय ओमप्रकाश कुमावत, देवास के सासंद व विधायक भी उपस्थित थे। इस सफल आयोजन में 10वीं व 12वीं के 80 समाज की प्रतिभाओं क सम्मान किया गया।

इस भव्य आयोजन की सफलता का श्रेय प्रदेश प्रवक्ता मनीष दया, जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह कुमावत, संगठन मंत्री शेखर कुमावत व सभी जिला पधादिकारियों व देवास के समाज बन्धुओ को जाता है जिन्होंने तन मन धन से सहयोग किया और आयोजन को सफल बनाया।

बुजुर्गों को दें सम्मान एवं समय

यदि आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त हैं तथा माता-पिता या बड़े-बुजुर्गों को समय नहीं दे पाते, उनका फोन नहीं उठाते या व्यस्त हूं बाद में बात करता हूँ, कहकर टाल देते हैं तथा अपनी ही दुनिया में मस्त रहने लगते हैं। ऐसे में सम्बन्धों की बॉडिंग नहीं हो पाती। इससे बुजुर्ग अकेलेपन के शिकार होते हैं तथा आप भी उनके अनुभव की सीख से वंचित रह जाते हैं। बुजुर्गों के पास अनेक दृष्टांत, जीवन जीने का सही तरीका, त्यौहार मनाने का सही ज्ञान एवं दैनिक जीवन व रिश्तों का ज्ञान होता है जो उनसे बातचीत करने से ही मिल सकता है। बड़ों को आपके साथ क्वालिटी टाईम बिताने की जरूरत होती है, आपके पैसे की नहीं। बड़ों से उनके पसंदीदा विषयों पर बात करें तो उन्हें लगेगा कि आपको उनकी फिक्र है। जब आप ऐसा करेंगे तो आपके बच्चे भी उसका अनुसरण करेंगे।

बड़ों को हमेशा आपके समय पर व सुरक्षित लौटने का इंतजार रहता है। एक माँ को सदैव चिंता रहती है कि बेटे ने खाना खाया या नहीं? वह फोन करके भी यह पूछती है। ऐसी चिंता माता-पिता के अलावा भला कौन करेगा? उनके पास बैठकर बात करने व हालचाल पूछने से उन्हें अच्छा लगता है, रिश्तों की बॉडिंग मजबूत होती है तथा जेनरेशन गेप नहीं आता। आप बुजुर्गों को आधुनिकता से अवगत करायें, अपनी समस्याएं शेयर करें, उनकी राय जानें। सम्भव है उनके अनुभव से आपकी समस्याओं का आसानी से समाधान हो जाये।

-खेमचंद खड़गटा

भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के अध्यक्ष चेतन कुमावत को राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी की व्यक्तिगत जनगणना करवाने के लिए दिया ज्ञापन

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल पंकज सिरोहिया जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में चेतन कुमावत जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर से मिलकर ओबीसी की जातिगत जनगणना करवाने के संदर्भ में ज्ञापन दिया।

जिलाध्यक्ष पंकज सिरोहिया ने बताया कि राष्ट्रीय जनगणना में जनरल कैटेगरी के साथ एसटी, एससी की जनगणना की जाती है परंतु ओबीसी की जनगणना नहीं की जाती है अंतिम बार ओबीसी की जनगणना 1931 में की गई थी। इस अवसर पर राधामोहन कुमावत जिला संरक्षक, रविंद्र कुमार कुमावत जिला सह सचिव, राकेश कुमावत विधि सलाहकार, शीतल कुमावत, जयसिंह कुमावत सह संपादक, खेमचंद कुमावत, उप कोषाध्यक्ष 'कुमावत इंडिया' मासिक पत्रिका मौजूद रहे।

भन्दे बालाजी कुमावत धर्मशाला तथा जयपुर बाल निवास

हमारे समाज के समाजसेवी, दानदाता तथा आर्किटेक्ट बन्धुओं से विनम्र निवेदन है कि भन्दे बालाजी धर्मशाला में सवामणी (प्रसादी) नहीं कर सामने प्रजापत धर्मशाला तथा अन्य समाज की धर्मशालाओं में क्यों प्रसादी करते हैं ? मैं हेमचन्द खड़गटा, हाल ही में 3-4 सवामणियों में गया, देखा बहुत दु:ख हुआ। पूछने पर मालूम हुआ की वहां सुविधाएं अधिक है, समाज की धर्मशाला में असुविधा है, जैसे रसोई दूर तथा प्रसादी खिलाने की जगह बरण्डा व कोई हॉल नहीं। अत: मेरी समझ में आया कि चारों कोनों में चार रसोईयां बना दी जाएं तथा चारों कोनों में थोड़ा निर्माण कर हॉल की व्यवस्था कर दी जाए तथा रसोड़ों की जगह बाहर दुकान निकाल दी जाए तो अच्छा होगा।

इसी प्रकार **बाल निवास** में स्टेज के पास टीन शैड का निर्माण आवश्यक है क्योंकि आयोजन करने पर टैंक का खर्चा बहुत होता है। अभी दिनांक 3.6.2022 को श्री ओमप्रकाश जी कंडेरीवाल की तीये की बैठक कायस्तों की बगीची में हुई। जबकि श्री कंडेरीवाल जी ने सारी जिन्दगी बाल निवास की सेवा में लगा दी। इन दोनों स्थानों भन्दे के बालाजी धर्मशाला तथा बाल निवास में असुविधाओं को दूर कर दिया जाए तो बहुत अच्छा होगा। अत: दानदाता एवं आर्किटेक्ट ध्यान देनें का कष्ट करें। धन्यवाद

-हेमचन्द खड़गटा,
मो. 9351682036 (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।)

श्री बाबा रामदेव मंदिर का निर्माण प्रगति पर

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर द्वारा क्षेत्र की विनोबा बस्ती में समाजबंधुओं के सहयोग से श्री बाबा रामदेव जी का मंदिर निर्मित कराया जा रहा है। इस मंदिर में 60'×35' क्षेत्र में छत का निर्माण कराया जाकर एक पानी का टैंक, बिजली एवं सेनेटरी फिटिंग का कार्य कराया जा चुका है। इसमें 25'×20' का बैसमेंट भी तैयार किया गया है।

मंदिर के प्रांगण में ग्रेनाइट फर्श, पीओपी एवं बिरला पुट्टी का कार्य किया जाना शेष है। मंदिर में बाबा रामदेव जी, ज्वाला माता, हनुमान जी, भैरू जी, भौमिया जी तथा शिव परिवार की मूर्तियों की स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा किया जाना शेष है।

समाजजनों से अनुरोध है कि शेष बचे कार्य के लिए मुक्त हस्त से सहयोग समिति को व्यक्तिश: अथवा बैंक ऑफ इण्डिया, बरकत नगर, खाता संख्या 661310100012886 में राशि सीधे ही स्थानान्तरित करने का कष्ट करें। जिससे यह कार्य शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण कराया जा सके।

-राम प्रकाश मारवाल, मंत्री मो. 9414074376

मां वैष्णो देवी के लिए पदयात्रा 8 जुलाई को

मां वैष्णो देवी पद यात्रा सेवा समिति की ओर से 8 जुलाई को मां वैष्णो देवी की 32वीं विशाल पदयात्रा आर्दश बस्ती, टोंक फाटक से सुबह 9 बजे रवाना होगी। समिति के संस्थापक नवरतन राजोरिया ने बताया कि इस बार 131 कलश यात्रा एवं शोभा यात्रा के साथ विभिन्न मार्गों से होते हुए पदयात्रा मां वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचेगी।

चेनसुख कुमावत, बगरू क्षेत्र अध्यक्ष मनोनीत

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष गौरी शंकर मारवाल ने श्री चेनसुख कुमावत को बगरू क्षेत्र का अध्यक्ष मनोनीत किया है। इन्हें बहुत-बहुत बधाई।

श्री चेनसुख कुमावत युवा एवं कर्मठ समाजसेवी हैं तथा वर्तमान में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका एवं दहमी बालाजी विवाह समिति के पदाधिकारी भी हैं।

जीवन के आधार-''पिता''

पिता एक ऐसा शब्द है जिसमें आसमान की विशालता है, सागर की गहराई तथा पर्वतों की ऊँचाई समाई है। दरअसल माता तथा पिता ये दोनों शब्द ऐसे महाग्रन्थ हैं जो स्वयं ईश्वर ने लिखे हैं। किसी भी मानव मात्र के लिए माता-पिता की महिमा के बारे में कुछ भी लिख पाना असंभव है। माँ यदि ममता की शीतल छांव है तो पिता जीवन की ऊर्जा माता यदि अपनी कोख में संतान को नौ माह रखकर पालती है तो पिता ढाल बन कर उस माँ की हर दुख, तकलीफ, परेशानी से रक्षा करता है ताकि उसके गर्भ में पल रही संतान और उसे पाल रही माता पर तनिक भी आंच ना आए। माता यदि गर्भस्थ शिशु का आन्तरिक कवच होती है तो पिता बाहरी कवच होता है। वह उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रात-दिन भागता फिरता है। माता यदि जन्म के समय शारीरिक कष्ट सहती है तो पिता मानसिक कष्ट सहता है। माता यदि जीवन है तो पिता जीवन की धुरी है। जीवन में सिर्फ एक पिता ही होता है जो सदैव अपनी संतान को स्वयं से अधिक सफल तथा उन्नत देख कर प्रसन्न होता है तथा गौरवान्वित महसूस करता है। पिता वो संबल है जो निराशा में भी अपने बच्चों के विश्वास और हिम्मत को डगमगाने नहीं देता। थोड़ी सी आमदनी में भी संतान को राजकुमारों की तरह पालने का जज्बा सिर्फ एक पिता में ही होता है। खाली जेब होने के बावजूद ''बोल कितने चाहिए'' ये शब्द सिर्फ एक पिता ही बोल सकता है। जीवन में अनेक बार जटिल परिस्थितियों में जब कोई रास्ता नहीं सूझता तब एक ही रास्ता सूझता है और हम सीधे वहीं पहुंच जाते हैं कि ''पापा कुछ करो ना'' और फिर पापा ना जाने कैसे उस समस्या का समाधान आसानी से कर देते हैं मानों उनके पास कोई जादू की छड़ी हो। जब तक पिता का साया सिर पर होता है तब तक संतान को स्वयं में बचपन ही नजर आता है भले ही उम्र कितनी भी क्यों ना हो? विश्वास का एक भाव कि ''पापा है ना'' हर वक्त बेपरवाह सा बनाएं रखता है मगर ये साया सर से हटते ही मानों जिम्मेदारियों का पहाड़ टूट पड़ता है। जिन्होंने कभी हमारे माथे पर शिकन तक नहीं आने दी। उनके जाते ही जीवन जैसे जिम्मेदारियों का पर्याय बनकर रह जाता है। सारा जीवन ''बसाने'' में गुजारते गुजारते एक दिन ऐसा भी आता है जब अपना सब कुछ संतान को देकर पिता सदा के लिए दुनिया से चला जाता है। मगर सत्य यह भी है कि माता-पिता कभी नहीं मरते। वे सदैव अपनी संतान में जीवित रहते हैं। उनका अंश सदैव अपनी संतान के अस्तित्व के रूप में श्वास लेता है। एक प्रसिद्ध कवि की ये पंक्तियां मुझे अक्सर याद आती हैं-

मैं तुम्हारी कब्र पे फातिया पढ़ने नही आया
क्योंकि मैं जानता था तुम मर नहीं सकते
तुम्हारे मरने की सच्ची खबर जिसने फैलायी थी
वो झूठे थे
हर पल अपने होने का अहसास देते हैं
तुम्हारे हाथ मेरी अंगुलियों में सांस लेते हैं
जब भी कुछ लिखने के लिए कागज और कलम उठाता हूं
तुम्हें सामने कुर्सी पे बैठा पाता हूँ
मैं तुम्हारी कब्र में दफन हूँ
तुम मझमे जिन्दा हो

- उर्वशी बालोदिया

सरोज पिपलोदा को सब इंस्पेक्टर पद पर नियुक्ति

बॉलीबाल खिलाड़ी सरोज पीपलोदा जिसने पांच बार राजस्थान टीम की कप्तानी की तथा देश की टीम में खेलकर अनेक मैडल जीते, को राजस्थान सरकार ने 2020 में कांस्टेबल पद पर नियुक्ति दी थी। सरोज ने वर्ष 2012 में चीन, वर्ष 2014 में चीन ताइपे तथा वर्ष 2015 में नेपाल में भारतीय टीम की ओर से भाग लिया था।

सरोज ने सीनियर एशियन चैम्पियनशिप तथा साउथ एशियन चैम्पियनशिप में गोल्ड मैडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। हाल ही में सरोज पिपलोदा का खेल कोटे से सब इंस्पेक्टर के पद पर चयन हुआ है। चौमूं पुरोहितान, दांतारामगढ़ के किसान नानूराम की पुत्री सरोज पिपलोदा को सब इंस्पेक्टर पुलिस के पद पर चयनित होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

राजस्व न्यायालयों में कुमावत समाज के अधिवक्ताओं की नियुक्ति हुई

पहली बार राजस्थान सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशन पर कुमावत समाज पिछड़े वर्ग से राजस्व न्यायालयों में 3 अधिवक्ताओं को JDA की ओर से पैरवी करने के लिए नियुक्त किया गया है। इसमें राम प्रकाश कुमावत एडवोकेट को आमेर तहसील, सुमित्रा कुमावत को जयपुर राजस्व न्यायालय और अरविंद कुमावत को जयपुर रेवेन्यू बोर्ड में पैरवी के लिए नियुक्ति मिली है। यह कुमावत समाज के लिए गौरव की बात है।

इन नियुक्तियों में श्री मुकेश वर्मा सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूरा सहयोग रहा।

तीनों अधिवक्ताओं को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

'आम' की बात

आम को फलों का राजा कहा जाता है। क्या बच्चे और क्या बूढ़े, सभी इसे काफी पसंद करते हैं, इसलिए गर्मियां आते ही लोगों को इस फल का बेसब्री से इंतजार रहता है। इसकी मिठास मुंह में कुछ इस तरह घुल जाती है कि बार-बार आम खाने को जी करता है। आम को सीधे काटकर या चूसकर खाना हो व मैंगो शेक बनाकर पीना हो, हर तरीके का अपना ही मजा है। साथ ही कच्चे आम यानी कैरी से बनाने वाले आम पन्ना का तो कोई जवाब ही नहीं। शायद इसी वजह से यह राष्ट्रीय फल आम हर किसी को भाता है। यह फल बड़ा ही रसीला होता हैं। और इसके विभिन्न प्रजाति है जिसके कारण इसके स्वाद में भी अंतर होता हैं। कच्चे आम की चटनी भी खाई जाती हैं। लोग कहते है कच्चा आम खाने से धूप या लू नहीं लगती है। गर्मी के मौसम

में लोग आम की शिकंजी पीना भी खूब पसंद करते हैं। पके आम का स्वाद बड़ा ही स्वादिष्ट होता इस फ्लेवर में आइसक्रीम भी खूब बिकते है. गर्मी की शादियों में अक्सर मैंगो शेक मन और मिजाज को खुशनुमा बना देता हैं।

आम, (मैंगिफेरा इंडिका) का सदस्य और उष्णकटिबंधीय दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से खेती वाले फलों में से एक है। आम के पेड़ को दक्षिणी एशिया, विशेष रूप से भारत के म्यांमार और असम राज्य के लिए स्वदेशी माना जाता है, और कई किस्मों को विकसित किया गया है। आम विटामिन ए, सी और डी का एक समृद्ध स्रोत हैं।

आम वसा रहित, सोडियम मुक्त और कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है। आम में 20 से अधिक विटामिन और खनिज होते हैं, जो उन्हें एक सुपरफूड बनाने में मदद करते हैं। एक साबुत आम में 202 कैलोरी होती है। 3-4 कप आम में विटामिन सी 50%, विटामिन ए 8% और विटामिन बी-6 8% है। आम में ये पोषक तत्व शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली बढाने में मदद करते हैं।

आम में फाइबर 7%, फोलेट 15% और तांबे 15%, 19 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है, जो आपके दैनिक मूल्य का 7% होता है। आम में ये पोषक तत्व शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में मदद कर सकते हैं। आप इस स्वादिष्ट और सुपर मजेदार सुपर फल का आनन्द अवश्य लें।

हमारे शास्त्रों के अनुसार आम एक पवित्र एवं मांगलिक फल माना गया है। इसे यज्ञ, पूजा, त्योहार और संस्कार में लाभदायक माना जाता है। गौतम बुद्ध को भी किसी ने आम का पौधा उपहार में दिया था। मुगल बादशाह भी आम के शौकिन थे। लखनऊ में एक-दूसरे को आम भेजने की प्रथा है। रिश्तों में मिठास घोलने के लिए भारतीय प्रायदीप में हम पड़ोसी देशों को आम भेजकर राजनैतिक रिश्ते सुधारने का प्रयास करते रहे हैं। मिर्जा गालिब को आम बहुत पसन्द थे, वो कहते थे कि गधा ही आम नहीं खाता।

आम पर कविताएं

फलों का राजा ये है कहलाता,
ये मीठा फल है सबको खूब भाता,
इसे देखते ही सबका मन ललचाता,
जिसे भी मिले वो आम को चाव से खाता,
पीला-पीला और बड़ा रसीला है ये आम
आजकल मैं इसे सुबह और शाम खाता हूं,
इसे खाने के लिए बड़े भी छोड़ देते हैं अपना काम,
बच्चों के तो सपनों में भी आता है ये आम।

वो खट्टे-मीठे वो रसीले आम,
वो लंगड़ा, दशहरी, देसी, आम,
दिल करता है खाते रहो सुबह-शाम।
जब आती है गर्मी, पूरा बाजार पीला हो जाता,
देख के इसको मुंह में है पानी आता,
फलों का राजा आम तो है सबको भाता।

आम तो आखिर आम है,
फलों का राजा इसका नाम है,
मिले जो कच्चा तो ये लाजवाब है,
पका मिले तो इसका न कोई जवाब है,
सबके दिल में ये फल करता राज है,
इसलिए आम का अपना एक अलग स्थान है,
हो चाहे जिसे कोई भी फल पसंद,
पर आम का तो अपना ही अंदाज है।

जब-जब गर्मी का मौसम आता है,
तब-तब आम ही आम नजर आता है,
सबके मन को यह खूब भाता है,
बाजार में इसे देखते ही मन ललचा जाता है,
फिर उन्हें खरीदे बिना नहीं रहा जाता है,,
इसे देखते ही घरवालों का मन लुभा जाता है,
जब-जब गर्मी का मौसम आता है,
तब-तब आम ही आम नजर आता है।

न जाने कैसे होते हैं वो लोग,
जो एक-दूसरे से ऊब जाते हैं,
हम तो आम न सही उसका आचार देखते ही
उसके स्वाद में डूब जाते हैं।
गर्मी से तो हम भी कर लेते कब की बगावत,
देती न जो वो हमें कुदरती आम की दावत।
इस भरी महफिल में, मैं बदनाम होना चाहता हूं,
कोई ऐसा वैसा नहीं दशहरी आम होना चाहता हूं।

पेड़ पर लगे आम को तोड़े अब एक अरसा हो गया,
उम्र के साथ बचपन का वो हुनर भी रुसवा हो गया।
दाल-चावल जैसी बोरिंग जिंदगी थी मेरी,
आप आम के अचार की तरह आए
और जायका ही बदल दिया।

मुनवर राणा का कथन है कि, 'इंसान के हाथों की बनाई नहीं खाते हम आम के मौसम में मिठाई नहीं खाते।'

यह ख्वाहिश हर किसी की होती है कि घर आंगन में एक आम का पेड़ हो। यदि घर-आंगन में जगह न हो तो सेन्टर इन्सी ऑफ हार्टिकल्चर लखनऊ ने बताया है कि आधा ड्रम काटकर उसे छत पर रख आम की छोटी किस्म लगाकर आम का मजा लिया जा सकता है। पद्मश्री करीमुल्ला ने 300 से ज्यादा वैरायटी आम के एक ही पेड़ पर लगाई है। आम को चाहे तो काटकर खाया जा सकता है या फिर चूस के भी खा सकते हैं।

आम की प्रचलित किस्में : अल्फांसो, हापुस, सिंदूरी,लंगड़ा, दशहरी, केसर, सफेदा, तोतापुरी, मालदा, आम्रपाली, देसी, आदि।

आम के गुण : पोषक तत्वों से भरपूर आम में कैलोरी कम, मधुमेह की रोकथाम, प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले पोषक तत्वों से भरपूर, हृदय स्वास्थ्य में सहयोगी, पाचन स्वास्थ्य में सुधारक तथा नेत्र स्वास्थ्य में सहयोगी।

जैसे ही गर्मी का मौसम शुरू होता है सबके जहन में एक ही फल का नाम सबसे ज्यादा आता है और वो है फलों का राजा आम। इस फल के रसीले मीठे स्वाद के बारे में सोचते ही मजा आ जाता है।

'आम' सा लगने वाला ये किस्सा तो सरेआम हो गया,
घर से निकले थे लेकर कैरी, उन तक पहुंचे तो आम हो गया।
आम तो आखिर आम ही है, तभी तो
सभी फलों में सबसे ऊपर इसी का नाम है।

समय और रेत के अलावा
अगर कोई चीज हाथ से फिसलती है,
तो वो होती है आम की गुठलियां,
ये संभाले नहीं संभलती हैं।

बढ़ गए है आम के दाम,
इसे खाए बिना भी नहीं चलता काम,
जब तक न खाऊं ये रसीले आम,
तब तक नहीं मिलता दिल को आराम।

बनना है तो 'आम' बनो बाकी में क्या रखा है,
कच्चा हो तो अचार, पका हो तो जूस बन जाता है,
जब चूस कर फेंक देते हैं गुठली,
तो नए पौधे का जन्म हो जाता है।- **शोभिका,** सवाईमाधोपुर

सरकारी सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह

बडला का बास, कुचामन में राजकीय सेवाओं में चयनित बच्चों का अभिनंदन समारोह रखा गया। इसमें पटवारी ललिता कुमावत, स्टेनोग्राफर दामोदर कुमावत, CISF जितेंद्र कुमावत, पोस्ट ऑफिस DPM में चयनित बच्चों को डीजे के साथ जुलुस में लाया गया। कुमावत विकास समिति अध्यक्ष नागौर जिला परिषद सदस्य बाबूलाल पलाड़ा एवं समस्त कुम्महारान पंचायत ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार फौजी, शिम्भुदयाल कुमावत ने बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर हौसला अफजाई की। सभी बच्चों को मोमेंटो व प्रशंसा पत्र दिया तथा साफा पहनाया गया। इस समारोह में समाज के गणमान्य महानुभाव नरसी लाल पार्षद, भागीरथ राम पार्षद, बाबूलाल पार्षद, मानाराम कारगवाल, कन्यालाल कुचामन, अमन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर श्याम जी वकील साहब, अपना समाज नावा कुचामन ग्रुप एडमिन गणपत कुसमीवाल आदि महानुभाव उपस्थित थे।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं बच्चे भी यह देखकर प्रेरित एवं खुश हुऐ, बच्चों ने कहा शीघ्र ही उनके लिए भी आना पड़ेगा। बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए आयोजनकर्ताओं का आभार।

हर बेटी को दिलाएं सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग

आज के युग में बेटियों को पढ़ने, नौकरी करने, खरीदारी तथा अन्य जरूरी कार्यों के लिए बाहर जाना होता है। किन्तु आज के वातावरण में महिलाएं एवं बेटियों का घर के बाहर जाना सुरक्षित नहीं है। उन्हें छेड़छाड़ व फब्तीकशी का शिकार होना पड़ रहा है। इनकी सुरक्षा के लिए खासकर बेटियों को नियमित पढ़ाई के अलावा सेल्फ डिफेन्स की ट्रेनिंग होना भी जरूरी हो गया है। यदि वे मार्शल आर्ट व ताइक्वांडों में प्रशिक्षित हैं तो बेटियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और जरूरत पड़ने पर वे पहले से स्वयं की रक्षा करने में सक्षम होगी। अत: पेरेन्ट्स को चाहिये कि वो बेटा-बेटी में अन्तर करना छोड़ें तथा बेटियों को आधुनिक शिक्षा दिलाने के साथ-साथ सेल्फ डिफंस की ट्रेनिंग अवश्य दिलाने हेतु अपनी मानसिकता बदले। हो सके तो बचपन से ही उनकी ट्रेनिंग करायें।

बेटियां बाहर जायें तो अपने पर्स में रखी चाबी, मोबाइल फोन के साथ पेपर स्प्रे (मिर्च का स्प्रे) अवश्य साथ रखे और जरूरत पड़ने पर इनका इस्तेमाल भी करें।

कक्षा 12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

98.20
गणेश कुमावत
जैतारण

97.00
मोनिका कुमावत
जोबनेर, जयपुर

96.40
दिव्यांशी कुमावत
सीकर

96.00
निकीता कुमावत
जोधपुर बिलाडा

95.40
मलिशा
गुढ़ा

95.00
ज्योति कुमावत
किशनगढ़ अजमेर

94.80
खुशी लाम्बा
जाटान

94.60
अंकिता कुमावत
जोबनेर, जयपुर

94.00
रवि कुमावत
आसलपुर, जयपुर

93.80
सीमा कुमावत

93.60
योगिता कुमावत
लोसल सीकर

93.40
शुभम कुमावत
रूपनगढ़, अजमेर

92.60
शुभम कुमावत
राणोली सीकर

92.40
अरुण कुमार
झुंझुनूं

92.40
आशीष कुमावत
सांगानेर जयपुर

92.20
मधु कुमावत
लोसल सीकर

92.20
चैन सुख कुमावत
आसलपुर, जयपुर

92.00
सुनील देवतवाल
जोबनेर, जयपुर

91.80
सचिन कुमावत
पावटा जयपुर

91.80
कंचन कुमावत
थनवला

91.20
प्रीयंका कुमावत
राणोली सीकर

91.20
विनीत कुमावत
जैतारण

91.00
गरिमा
सोडाला, जयपुर

91.00
कोमल कुमावत
आसलपुर, जयपुर

91.00
स्वाती कुमावत
किशनगढ़, अजमेर

90.60
मनीषा कुमावत
राणोली सीकर

90.40
लक्की कुमावत
जोबनेर, जयपुर

90.20
रेखा कुमावत
आसलपुर, जयपुर

90.00
लालाराम
परबतसर, नागौर

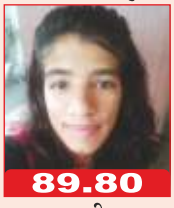
89.80
ममता कुमारी कुमावत
रैला

89.40
अंकित कुमावत
जोबनेर

89.40
अनुराधा कुमावत
राणोली सीकर

89.40
चंचल कुमावत
राणोली सीकर

89.40
पूजा कुमावत
राणोली सीकर

89.40
पार्वती कुमावत
जयपुर

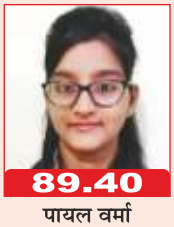
89.40
पायल वर्मा
नवलगढ़ झुंझुनूं

89.20
रविन्द्र कुमावत
बानसूर, अलवर

89.20
चित्रांश कुमावत
हिरापुरा, जयपुर

89.00
मधु कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

88.80
मयंक कुमावत
राणोली सीकर

88.80
सौरभ कुमावत
जयपुर

88.60
पलक कुमावत
राणोली सीकर

88.60
प्रियंका कुमावत
राणोली सीकर

88.00
हेमेन्द्र कुमार कुमावत

88.00
जितेन्द्र कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

88.00
हरीराम मारोठिया
कुचामनसिटी

87.80
श्वेता कुमावत
सांगानेर जयपुर

87.80
सिद्धि कुमावत
जयपुर

87.60
प्रमोद कुमावत
जयपुर

86.80
अंकित कुमावत
राणोली सीकर

86.60
राकेश कुमावत
बिदियाद, मकराना

86.00
यशांस कुमावत
मनोहरपुर जयपुर

86.00
ओजस्वनी कुमावत
किशनगढ़ अजमेर

85.40
अभिषेक कुमावत
राणोली सीकर

85.40
मनीषा कुमावत
राणोली सीकर

85.40
भव्य कुमावत
मुरलीपुरा, जयपुर

85.00
नीतू कुमावत
सांभरलेक

84.40
लवेश कुमावत
सांभरलेक

84.00
अनुराग कुमावत
राणोली सीकर

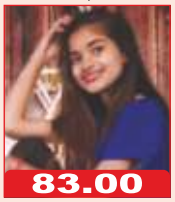

83.00
नीलम

82.60
सरोज कुमावत
राणोली सीकर

82.40
वर्षा कुमावत
विद्याधर नगर, जयपुर

82.20
नीकिता
बरकत नगर, जयपुर

82.20
कुसुम कुमावत
जयपुर

82.00
पिंकी कुमावत
राणोली सीकर

82.00
शिशराम कुमावत
राणोली सीकर

81.40
अक्षिता बांसवाड़ा

81.40
भव्य कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

80.60
विशेष कुमावत
कोटपुतली

80.40
देवेश कुमावत
राणोली सीकर

80.20
पूजा कुमावत
राणोली सीकर

80.20
शुभम कुमावत
राणोली सीकर

कक्षा 10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

97.67
भावना कुमावत
सांभर जयपुर

97.00
तन्य कुमावत
मंदसौर म.प्र.

96.50
दीक्षा कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

96.00
हर्षिता कुमावत
नावां नागौर

96.33
शालिनी कुमावत
सीकर

94.83
अंकुर कुमावत

94.33
ज्योत्सना कुमावत

94.17
जीतेन्द्र कुमावत
दांतारामगढ़, सीकर

94.00
दिव्या कुमावत
जयपुर

93.83
हेमन्त कुमावत
फुलेरा जयपुर

93.50
भाग्यश्री
वैशाली जयपुर

93.33
पलक कुमावत
शास्त्री नगर, जयपुर

92.80
दीक्षा कुमावत
जोबनेर जयपुर

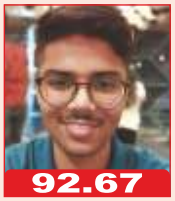

92.67
लवजीत
जयपुर

92.50
जयप्रकाश कुमावत
चूरू

91.67
युवराज कुमावत
चौमूं

91.67
युवरानी कुमावत
जयपुर

91.50
मानसी कुमावत
सांगानेर, जयपुर

91.00
राहुल कुमावत
थांवला, नागौर

91.00
रमेश पटेल
जैतारण

90.67
हेमन्त कुमावत
जयपुर

89.83
अभिषेक कुमावत
रायपुर, पाली

89.67
संजना कुमावत
जैतारण

89.00
प्रार्थना कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

89.00
कनुप्रिया
नवलगढ़ झुंझुनूं

88.50
तनीषा कुमावत
चौमूं

89.00
लविना कुमावत

88.67
जितेन्द्र कुमावत
बैनाड़ रोड, जयपुर

88.60
पंकज लाल कुमावत
बिमली

88.83
इन्दु कुमावत
प्रचार सीकर

88.17
हेमराज कुमावत
विराटनगर जयपुर

87.33
अक्षत कुमावत

86.33
तनु कुमावत
लक्ष्मीनगर, जयपुर

85.83
यतीश कुमावत
सांभरलेक, जयपुर

85.33
शिवराज
शाहपुरा भीलवाड़ा

85.30
विनीता
तूंदवाल

83.83
पूजा कुमावत
जोबनेर, जयपुर

83.50
काजल कुमावत
किशनगढ़, अजमेर

83.17
मानिका कुमावत
शाहपुरा भीलवाड़ा

82.83
पलक कुमावत
झाड़ली, सीकर

82.50
बंशी कुमावत

82.17
सोनाक्षी कुमावत
चौमूं, जयपुर

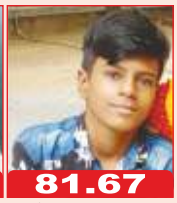
81.67
रोहित कुमावत
सांभरलेक जयपुर

81.33
डोली कुमावत
ब्यावर

81.17
संस्कार कुमावत
किशनगढ़, अजमेर

80.83
कोमल कुमावत
रूपगढ़, सीकर

80.50
ममता कुमावत
मांडल, भीलवाड़ा

80.50
यश कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

80.50
हर्षवर्धन कुमावत
वैशाली नगर जयपुर

80.17
तनिष्क कुमावत
जयपुर

80.00
स्वयम् कुमावत
मुरलीपुरा जयपुर

मिताली-आशुतोष द्वारा महापौर का माल्यार्पण कर सम्मान किया

नगर निगम आपके द्वार कार्यक्रम के तहत नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर ने पार्षद शंकर शर्मा के साथ वार्ड 103, सेक्टर 8, जोन 86 के महावीर पार्क व सुखदेव पार्क का दौरा किया। इस अवसर पर महिलाओं की प्रतिनिधि मिताली-आशुतोष द्वारा महापौर का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया, समिति कार्यकर्ता आशुतोष कुमावत ने महापौर से सुझाव साझा किए और आश्वासन के बाद महापौर को वार्ड में आगमन के लिए धन्यवाद दिया गया।

विशिष्ठ संरक्षक

श्री घनश्याम कुमावत (देवतवाल)

41, सुख निवास, पटेल कॉलोनी, धूलेश्वर गार्डन,
जयपुर 302001 मो. 9460192193

आप स्व. श्री राधेश्याम कुमावत, से. नि. PPS to CM, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के पुत्र है। आप M. COM तक शिक्षित है तथा राजस्थान आवासन मंडल से उप वित्तीय सलाहकार के उच्च पद से सेवानिवृत हुए है। आपका पूरा परिवार शिक्षित है, आपकी पत्नि श्रीमती स्नेहलता BA तक शिक्षित है। आपका पुत्र वरुण कुमावत (MBA) है जो AU बैंक में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं तथा पुत्री नेहा कुमावत, M. COM (EAFM) व MBA (Finance) है एवं आलोक इंटरनेशनल स्टडीज में कार्यरत हैं। आप सौम्य व मधुर व्यवहार के लिए जाने जाते है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

विशिष्ठ संरक्षक

श्री घनश्याम कुमावत

(पुत्र स्व. श्री सीताराम खाटूवाल)
ग्राम ढोढसर, वाया गोविन्दगढ़, तहसील चौमूं, जिला जयपुर
मो. 98292 60651

आप वर्ष 1991 से केटरिंग के व्यवसाय में हैं तथा इस क्षेत्र में आपका जाना पहचाना नाम है। आप गरीब परिवार की बच्चियों की शादी में केटरिंग नि:शुल्क करते हैं। आपके पिता मंदिर बनाने के उम्दा करीगर थे। आपके तीन पुत्र व एक पुत्री है, बड़ा पुत्र चेतन M.Com. विवाहित है तथा जयपुर एयरपोर्ट में सेवारत है, पुत्री निशा M.A., B.Ed. (26 वर्षीया), जुड़वा पुत्र देवेन्द्र B.A. (25 वर्षीय) की बेकरी की दुकान तथा पुत्र दीपेन्द्र (25 वर्षीय) B.A., ITI करके जयपुर एयरपोर्ट में सर्विस करते हैं। आपका परिवार शिक्षित है। आप मधुर व्यवहार के धनी हैं तथा सामाजिक सेवा में अग्रणी रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

कुमावत समाज की एक बेटी, जो लगातार योग में बना रही है वर्ल्ड रिकार्ड

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देश-विदेश में बड़े-बड़े आयोजनों के बीच राजस्थान के किशनगढ़ की योग शिक्षिका मोनिका कुमावत ने गिनीज वर्ल्ड बुक में नाम दर्ज करवाकर स्वयं का सपना तो पूरा किया ही है समाज का नाम भी रोशन किया है। **गरुड़ासन के दौरान 33 मिनट 12 सैकेण्ड तक एक पैर पर खड़े रहकर उन्होंने यह अनूठा रिकार्ड बनाया है।** मोनिका कुमावत ने गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने के लिए सबसे मुश्किल योगासनों में एक गरुड़ासन को चुना। योग दिवस पर उनकी यह उपलब्धि प्रेरित करने वाली है। योग को लेकर मोनिका शुरू से ही समर्पित रही है। मोनिका ने गत

वर्ष योग दिवस पर 10 मिनट 58 सैकण्ड में 108 बार सूर्य नमस्कार कर इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज करवाया था। मोनिका समय-समय पर नि:शुल्क योग शिविर लगाकर लोगों को जागरूक करती है। कृष्णम योगस्थली की संस्थापिका मोनिका कुमावत ने साबित कर दिया कि लगातार मेहनत और लक्ष्य पाने की सोच से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। मोनिका ने इस सफलता का श्रेय अपने परिवार व गुरुजनों को दिया है। मोनिका की इस उपलब्धि पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

नरेश कुमावत बनायंगे भगवान परशुराम की 51 फीट कास्य प्रतिमा

21 मई 2022 को लोहित (अरुणाचल प्रदेश) स्थित परशुराम कुण्ड पर विष्णु के छठें अवतार भगवान परशुराम की दिव्य मूर्ति की स्थापना हेतु भूमि पूजन व शिलान्यास भारत के गृहमंत्री माननीय श्री अमित शाह द्वारा किया गया। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू उप मुख्यमंत्री चाउना मान, केन्द्रीय मंत्री किरण रिजुजू, विप्र फाउण्डेशन के संरक्षक रतन शर्मा, भगवान परशुराम तीर्थोननयन समिति के मुख्य संयोजक धर्मनारायण जोशी, विप्र फाउण्डेशन के संस्थापक सुशील ओझा आदि गणमान्य लोगों के साथ मूर्ति शिल्पी नरेश कुमावत उपस्थित थे। मूर्ति का अर्पण विप्र फाउण्डेशन द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर नरेश कुमावत को भी उद्‌बोधन का अवसर देना उनके तथा हमारे समाज के लिए गौरव की बात है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी परशुराम कुण्ड को अयोध्या व काशी की तरह देश के प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने में विशेष रुचि ले रहे हैं।

नरेश कुमावत 'भारत गौरव अवार्ड' के लिए चयनित

पिलानी, राजस्थान के प्रसिद्ध मूर्तिकार श्री मातूराम कुमावत के पुत्र श्री नरेश कुमावत को भारत गौरव अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। उन्हें यह सम्मान पेरिस (फ्रांस) में 23 जुलाई को दिए जाने की घोषणा की गई हैं।

आपने देश-विदेश में बड़ी-बड़ी मूर्तियों का निर्माण कर देश तथा समाज का मान बढ़ाया हैं। आपके कार्य की देश विदेश के राजनेताओं व धार्मिक हस्तियों ने प्रशंसा की हैं।

इस सम्मान के लिए चयनित होने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से नरेश कुमावत को बहुत बहुत बधाई।

वैवाहिक

Harsha Verma

Marital Status	: Never married
Date of Birth	: 10.10.1993
Place of Birth	: Jaipur
Height	: 5.1' feet
Color	: Fair
Education	: M.com (ABST), Rajasthan University Company Secretary (CS) from ICSI LL.B (Final Year), Rajasthan University
Occupation	: Recently joined Genpact India Private Limited as Process Developer
Father's name	: Dinesh Chand Verma
Mother's name	: Pushpa Verma
Brother's name	: Naveen Verma (student)
Gotra	: **Self:** Khatumbara **Mother :** Mandhani **Dadi :** Manethia **Nani :** Ghodela
Address	: 10 AB Krishna Puri, Rakdi, Hatwara Road, Sodala, Jaipur (Rajasthan)
Contact No.	: +91-90244-79559, +91-88905-38399

समान नागरिक संहिता

दुनिया के 125 देशों में समान नागरिक संहिता लागू है, वहां सभी नागरिक धार्मिक सद्भाव से रह रहे है।

भारत में गोवा में पहले से ही समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) लागू है।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 44, नीति निदेशक तत्वों में सम्पूर्ण भारत के लिये समान नागरिक संहिता का प्रावधान किया गया है। इसका आशय है देश के सभी नागरिकों के लिये एक समान नागरिक कानून की व्यवस्था हो तथा धर्म व लिंग के आधार पर कोई भेद-भाव न हो।

अभी देश में विवाह, तलाक, सम्पति, वसीयत आदि पर धर्म के अनुसार पृथक-पृथक कानून है।

संविधान के अनुच्छेद 25-28 नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी का प्रावधान है।

हाल ही में उत्तराखण्ड राज्य में समान नागरिक संहिता के लिये कमेटी बनाई गई है, इसका मुस्लिम तथा उनकी संस्थायें विरोध कर रही है।

केन्द्र सरकार द्वारा देश के नागरिकों के लिये समान नागरिक संहिता लाने की तैयारी किये जाने की अपुष्ट स्त्रोतों से जानकारी हो रही है, यह कब लाया जायेगा, अभी स्पष्ट नहीं है। इसे लाना भाजपा के मुख्य एजेण्डा में सम्मिलित है।

अभी हिन्दुओं के लिये कानून वेद, उपनिषद, स्मृति, आधुनिक न्यायिक निर्णयों के आधार पर है। जबकि मुस्लिमों के लिये कानून कुरान, सुन्नाह, इज्मा, कियास पर आधारित है। वहीं ईसाइयों का कानून बाइबिल, रूढ़ियों, तर्क, अनुभवों पर आधारित है। इसी तरह पारसियों के कानून का आधार धार्मिक ग्रंथ जेद एवेस्ता और रूढ़ियां है।

देश नागरिकों के लिये धर्म के आधार पर अलग-अलग कानून क्या उचित है? ऐसा क्या छिन जायेगा, जिसके कारण इसका विरोध हो रहा। राजनीति, रूढ़िवादी धार्मिक समुहों, शरिया आदि के कारण विवाद बना हुआ है। समान नागरिक संहिता बनेगी तो सभी नागरिकों के लिये विवाह, विवाह की उम्र, तलाक, भरण-पोषण, बच्चों की कस्टडी पारिवारिक सम्पत्ति का बंटवारा, उत्तराधिकार, वसीयत, दान जैसे मामलों में देश में समान कानून होगा अर्थात धर्म-सम्प्रदाय के लिये अलग-अलग कानून नहीं होगा।

हिन्दु विवाह अधिनियम के तहत लड़की की **शादी के लिए न्यूनतम उम्र** 18 वर्ष हैं, जबकि मुस्लिम 9 वर्ष की लड़की को विवाह योग्य मान लेते है। यह कैसे सम्भव है कि भारतीय परिस्थितियों में विवाह के लिये हिन्दु लड़की न्यूनतम 18 वर्ष में योग्य होती है वहीं मुस्लिम लड़की 9 वर्ष में ही यह योग्यता कैसे प्राप्त कर सकती है?

तीन **तलाक** भले ही कानून द्वारा निषेध हो गया फिर भी मुस्लिम शौहर अपनी बीवियों को मौखिक तलाक दे रहे है। जबकि हिन्दुओं को तलाक के लिये कोर्ट में जाना होता है।

सम्पत्ति के मामले में हिन्दुओं में पति-पत्नी में भेद नहीं है। जबकि मुस्लिमों में पत्नी को, सम्पत्ति में अधिकार नहीं है। मुस्लिमों में **वसीयत एवं गोद** लेने पर बच्चे को पूरे सम्पति नहीं दी जा सकती है।

यदि समान नागरिक संहिता लागू होगी तो सम्पूर्ण भारत में सभी नागरिकों के लिये समान कानून होगा। इसका सबसे अधिक लाभ तो मुस्लिम महिलाओं व बच्चों को होगा। **जब गोवा पुर्तगाल के अधीन था वहां 'गोवा समान नागरिक संहिता' बनायी गयी थी, जो आज तक लागू है।** गोवा में विभिन्न धार्मिक सम्प्रदाय जैसे कैथोलिक, प्रोटेस्टेंट, पारसी, हिन्दु तथा मुसलमान सद्भाव से रह रहे है। अर्थात वहां गैर हिन्दु, अर्थात मुस्लिम, ईसाई, पारसी आदि को कहां हानि हुई?

रूढ़िवादी मुस्लिम समुह के विरोध से क्या 21वीं सदी में भी मुस्लिम महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा व संरक्षा देने के लिये हिन्दुओं के समान कानून नहीं होना चाहिये?

माननीय उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 1985 में 'पत्नी, बच्चों और माता-पिता के रखरखाव' हेतु भारतीय अपराध संहिता की धारा 125 के तहत **शाहबानों** के पक्ष में फैसला दिया, जो सभी धर्मों के नागरिकों पर लागू होना था। इसमें यह भी सिफारिश की गई कि एक 'समान नागरिक संहिता' बनाई जाये। किन्तु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार इसका समर्थन करने के बाद चुनाव हार गई। इसके बाद उसने शरिया कानून के आधार पर ऑल इंडिया मुस्लिम बोर्ड की मांग पर तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भश्रा के अधिकार से वंचित कर दिया।

भारत में सर्वप्रथम अंग्रेजों ने धार्मिक कानून, हिन्दुओं एवं मुस्लिमों के लिये अलग-अलग बनाये थे, शायद उन्होंने धर्म के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहा था।

भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है, इसका आश्य है कि कानून के समक्ष सभी धर्म तथा सभी धर्मों के मानने वाले, समान है। वर्तमान में अलग-अलग धर्मों के मानने वालों के लिये समान मामलों में धर्म के अनुसार अलग-अलग व्यवहार किया जाता है। यह राष्ट्र की एकता व अखण्डता में बाधक है। 'समान नागरिक संहिता' बनने पर मुस्लिमों में बहुविवाह, एक तरफा तलाक, महिला को सम्पत्ति व भरणपोषण के कानूनी प्रावधानों में बदलाव से यह वर्ग व अन्य सम्प्रदाय भी देश की प्रगति में कदम से कदम मिला कर चल पायेगें।

-रमेश गैदर

जीवन में गुरु का महत्व

गुरु शब्द किसी परिचय का मोहताज नहीं। गुरु की महिमा और गरिमा अनंत होती है। हमारे देश में गुरु को भगवान से भी बड़ा दर्जा दिया गया है, साथ ही हम गुरु को माता-पिता से भी ऊपर मानते हैं।

गुरु शब्द का अर्थ होता है अंधेरे को दूर करने वाला। जब तक शिष्य को प्रामाणिक गुरु नहीं मिलते तब तक उसका जीवन अंधकार में ही होता है। गुरु स्वयं दिये की तरह खुद जलते हैं और शिष्य के लिये प्रकाश फैलाते हैं। जिसके भी मन में अंधकार से छूटने की अभिलाषा होती है वह गुरु की शरण जाकर वह प्रकाश प्राप्त कर सकता है।

गुरु एक कुम्हार की भाँति होता है, जो शिष्य को एक मिट्टी के घड़े की तरह सही आकार देता है। यदि मिट्टी को कुशल कुम्हार न मिलें तो वह आजीवन मिट्टी ही रह जाएगी और उत्कर्ष न पा सकेगी।

मार्गदर्शक के रूप में गुरु

बचपन से माता-पिता के पालन-पोषण के बाद बच्चे को विद्यालय भेजा जाता है। एक अनजानी जगह जहाँ से उसके जीवन का भविष्य तय होगा। वहाँ गुरु के ही सान्निध्य में वह शिक्षा ग्रहण करता है। गुरु अपने जीवन के अनुभवों और समझ के अनुसार शिष्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं और हमेशा उसके भले के लिये ही कड़े अनुशासन का प्रबंध करते हैं।

प्राचीन गुरुकुलों में 20 से 25 वर्षों तक शिष्य को गुरु की सेवा में ही रत रहकर विद्यार्जन करना होता था। विभिन्न युद्ध कलाओं, वेद-शास्त्रों तथा व्यवहारिक ज्ञान के पठन-पाठन में दिन गुजरता था। गुरु का हर आदेश उनके लिये मान्य था। एक मार्गदर्शक के तौर पर गुरु उन्हें अच्छाई के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते थे।

आज के समय की स्थिति पहले की तुलना में थोड़ी सी भले ही विकृत हो गई हो, फिर भी अच्छे गुरुओं का मार्गदर्शन आज भी योग्य छात्रों को अवश्य मिलता है।

गुरु के गुण हजार

गुरु के गुण अनगिनत हैं। उन गुणों का वर्णन करने में समस्त सागरों के जल से बनी स्याही भी असफल रहती है। संत कबीर का यह दोहा हमें गुरु की महिमा बताता है।

सबधरतीकागदकरूँ, लेखनीसबवनराय।
सातसमुद्रकीमसिकरूँ, गुरुगुनलिखानजाए।।

कितने ही भिन्न-भिन्न विषयों पर हम गुरुओं से मार्गदर्शन पा सकते हैं। उनका कार्यक्षेत्र विशाल होता है। वे शिष्य के मन की स्थिति को तो समझते ही हैं, साथ ही ये भी स्पष्ट रूप से जानते हैं कि उसके लिये सही क्या है।

राजा-महाराजाओं के समय उनके गुरु ही शासनादि विषयों में उनके सलाहकार होते थे। राजधर्म और प्रजा का पालन करने की सभी जरूरी बातों का शिक्षण करते थे। महान सम्राट चंद्रगुप्त को उनके गुरु चाणक्य ने ही प्रशिक्षित और पथ-प्रदर्शन किया था। गुरु न केवल शिष्य के हित का ख्याल रखते हैं बल्कि समाज की भी दशा और परिस्थितियों को सुधारने के यत्न करते हैं।

ईश्वर से भी ऊँचा दर्जा

गुरु को ईश्वर से भी अधिक पूज्य कहा गया है। हमारे ग्रंथ कहते हैं-

गुरुर्ब्रह्मागुरुर्विष्णुगुरुर्देवोमहेश्वरा।
गुरुर्साक्षातपरब्रह्मतस्मैश्रीगुरवेनमः।।

अर्थात गुरु साक्षात परमात्मा है। क्योंकि परमात्मा की ही तरह गुरु के पास भी शिष्य का जीवन सँवारने या नष्ट करने का अवसर होता है।

उनके वचनों और आदेशों को समझना और पालन करना शिष्य के हित में होता है। ईश्वर का ज्ञान हमें गुरु के सत्संग से ही मिलता है। वही हमारा ईश्वर तक पहुँचने में मार्ग प्रशस्त करते हैं। यदि गुरु के प्रति ही प्रेम भाव और भक्ति न हो तो व्यक्ति ईश्वर को पाने की अमूल्य निधि से वंचित रह जाएगा।

गुरु के अभाव में जीवन

जो भी महान लोग हुए हैं, उन सभी के गुरु थे। श्रीराम के गुरु वशिष्ठ, श्री कृष्ण के गुरु सांदीपनि, हनुमान जी के गुरु सूर्य, तुलसीदास जी के गुरु हनुमान जी आदि... सभी से इन्होंने कुछ-न-कुछ सीखा था। गुरु के रूप में विश्वासमित्र, द्रोणाचार्य, चाणक्य आदि का योगदान भी इतिहास में अमिट छाप है। किंतु जिन लोगों के जीवन में कोई गुरु नहीं होता, उनका सिर्फ पतन होता है, उत्कर्ष नहीं। ऐसे लोग केवल धन, पद आदि के लिये मारे-मारे फिरते हैं लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं आता। गुरु के अभाव में जीवन की कल्पना करना ही असंभव है।

निष्कर्ष

गुरु ही हमें जीवन जीने का मार्ग सिखाता है, क्योंकि वह स्वयं उस मार्ग पर चलकर आया है। कोई भी व्यक्ति जिससे हमारे अन्तःकरण का परिष्कार होता हो, ज्ञान में वृद्धि करता हो, वह हमारा गुरु ही है। गुरेव विश्वम् गुरु में ही सारा विश्व है।

आईये 13 जुलाई, 2022 को गुरु पूर्णिमा पर हम अपने गुरु के प्रति हृदय से श्रद्धा व्यक्त कर उनसे आशीर्वाद लें।

-भारती तोंदवाल

व्यावहारिक दैनिक टिप्स

हम लोग कई बार जाने अनजाने में कुछ ऐसी आदतों को अपना लेते हैं कि जिनके परिणाम हमें हमारे जीवन में अभाव और निर्धन निर्धनता के रूप में देखने को मिलते हैं।

व्यक्ति के जीवन में धन को उसकी कुंडली के द्वितीय भाव, एकादश भाव, दशम भाव और शुक्र एवं बुध आदि ग्रहों के माध्यम से देखा जाता है, इसके अलावा जीवन में कुछ गलत आदतों के कारण भी व्यक्ति को निर्धनता का सामना करना पड़ सकता है। तो आज हम यहां इन्हीं सामान्य आदतों के विषय में जानेंगे-

- घर में गंदगी, कूड़ा-कबाड़ और बिखरे पड़े सामान से घर के सदस्यों को अपने लक्ष्य हासिल करने में परेशानियां हो सकती हैं।
- घर की छत को हमेशा साफ रखें, मकान की छत पर बेकार या टूटे-फूटे समान को न रखें।
- किसी भी पेड़ के नीचे मूत्रत्याग नहीं करना चाहिए, ऐसा करने से अतृप्त आत्माओं का अपमान होता है।
- आप दांत से नाखून काटते है तो बंद कर दे, ऐसा करने से इससे दरिद्रता आती है और ऐसे व्यक्ति का स्वास्थ्य भी निर्बल रहता है।
- आप फटे हुए कपड़े न पहने, क्योंकि यह फटे वस्त्र भी आपके जीवन में दरिद्रता ला सकते हैं।
- सूर्योदय और सूर्यास्त के समय न सोये, यह आदत आपके घर में दरिद्रता भी साथ में ला सकती है।
- टुटी हुई कंघी से बाल न सँवारें, यदि आपके घर में टूटी कंघी है तो तुरंत हटाये तथा घर में कूड़ा-करकट भी न रखें।
- रसोई घर के पास में बाथरूम बनाना अन्नपूर्णा का अपमान है और यह शुभ भी नहीं होता ।
- पलंग या चारपाई के सिरहाने की तरफ ही सिर रख कर सोना चाहिए, उल्टा सोना शुभ नहीं माना जाता है।
- धर्म ग्रंथों को पवित्रता से पढ़ें और पवित्रता से ही रखें साथ ही पूजा करते वक्त बातें भी नहीं करनी चाहिए।
- रात में पीने के पानी को हमेशा ढँककर रखे, खुला न छोड़े! इसके पीछे वैज्ञानिक और सांसारिक दोनों ही कारण हैं।
- घर में प्याज व लहसुन के छिलके जलाना भी कष्ट दायक माना जाता है।
- अपनी संतान को अक्सर कोसते रहना भी अशुभ परिणाम देता है।
- घर के दीपक को फूंक मारकर बुझाना उचित नहीं माना जाता।
- छोटी-छोटी बातों पर झूठी कसमें खाना भी जीवन में दुख देने वाला होता है।
- घर आये अतिथि का अपमान न करें, सामर्थ्य अनुसार उनका स्वागत करना श्रेष्ठ माना जाता है।
- दाँत से रोटी काट कर या खीच कर न खाए, रोटी के निवाले को तोड़कर खाना ही शुभ माना जाता है।
- भिखारी या मांगने वाले से कभी भी किसी वस्तु को न लेवें और न ही इनसे कोई वस्तु सस्ते में खरीदनी चाहिए।
- घर में मकड़ी का जाला लगने पर हटा देना चाहिए। रात को कभी भी घर में झाड़ू न लगाए अगर मजबूरी में लगाना भी पड़े तो कूड़ा बाहर न निकाले, एक कोने में कर दे और सुबह जब झाड़ू लगाये तब उसे साथ में उठा ले।
- अँधेरे में भोजन नहीं करना चाहिए और घड़े में कभी भी मुंह लगा कर पानी न पियें।
- जब भी जूते या चप्पल को उल्टा देखे तो तुरंत सीधा कर दे और जूते या चप्पल को एक के ऊपर रखने से बचे ! उनको हो सके तो कमरे में न लाये इससे नकारात्मक उर्जा घर में नहीं आती है।
- बेसमेंट में निवास स्थान कभी नहीं बनाना चाहिए !
- घर के पास कांटेदार वृक्ष जैसे बबूल आदि होने से शत्रुभय, दूध वाले वृक्ष जैसे आक, कटैली आदि से धननाश और फलदार वृक्ष संतान के लिए हानिकारक होते हैं।
- तुलसी का पौधा हमेशा घर के पूर्व दिशा या उत्तर दिशा की ओर ही लगाना चाहिए, दक्षिण दिशा में तुलसी से परेशानियां हो सकती हैं।

इस प्रकार आप भी अपने जीवन में छोटी-छोटी एवं व्यावहारिक बातों को अपनाकर अपने साथ ही पूरे परिवार के जीवन को भी सुखी व समृद्ध बना सकते हैं।

डॉ. योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
website- https://www.astrologeryogesh.com

कमल का Forest Range Officer के पद के लिए चयन

कमल कुमावत (वरिष्ठ अध्यापक) Forest Range Officer के पद के लिए चयनित हुए हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री कमल को हार्दिक बधाई।

जब पेड़ और आंगन हो रहे हैं खत्म, तो कहां पड़ें सावन के झूले

हिन्दू धर्म में श्रावण मास का विशेष महत्व है। खासतौर से भगवान शिव की आराधना और उनकी भक्ति के लिए अनेक हिन्दू ग्रंथों में भी इस माह को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि सावन माह अकेला ऐसा महीना होता है, जब शिव भक्त महादेव को खुश कर, बेहद आसानी से उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

यूँ तो हमारे देश में हर त्योहार को प्रकृति के साथ ही जोड़कर देखा जाता हैं। हर त्योहार में प्रकृति के प्रेम की झलक दिखती है। सावन का महीना वो खास महीना है जिस पर जाने कितनी कविताएं, कहानियां और गीत लिखे गए हैं। यह प्रकृति, प्रेम और आस्था से जुड़े इस महीने को जहां भारतीय संस्कृति, परंपरा और हिंदू धर्म से जोड़ा गया है वहीं यह महीना वैज्ञानिक दृष्टि से अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गर्मी के बाद बरसात की रिमझिम फुहारें जिससे धरती की प्यास बुझती है और प्रकृति हरी चूनर ओढ़ इठलाने लगती है। महिलाओं के लिए यह महीना बहुत ही विशेष होता है। इस पूरे महीने में खास साज-श्रृंगार, हरी चूड़िया, मेहंदी, साज-श्रृंगार ओर तीज त्योहार की रोनक रहती है।

गाँव हो या शहर सावन शुरू होते ही बगीचों में झूले डाले जाते थे। झूलों का ऐसा आकर्षण था कि महिलाऐं हों, पुरूष हों या बच्चे अपने आपको झूला झूलने से नहीं रोक पाते थे। विशेषकर महिलाएं झूला झूलने इकठ्ठा होती थीं। उन पर झूलते हुए सहेलियों के संग तीज और सावन के गीत गाती थी। जिसमें पुराने लोकगीत भी होते थे। इन गीतों में भाई बहन का प्यार, सास-बहू की नोक-झोंक, ननद-भाभी का लाड-प्यार होता था।

सावन में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग भी है जो सावन के मनोरम मौसम के कारण प्रदूषण मुक्त शुद्ध वायु देता है और स्वास्थ्य प्रदायक है। सावन के महीने की विशेषता है कि इस महीने हवा अन्य महीनों की तुलना में अधिक शुद्ध होती है। सावन में चारों दिशाओं हरियाली छाई रहती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छवास लेने की गति में तीव्रता आती है। इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य सहयोगी है। झूलते समय रस्सी पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े होकर झूलते समय झूले को गति देने पर बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती हैं। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है। यह अच्छे स्वास्थ्य का कारक है।

शरीर में उत्साह और उमंग भर देने वाला सावन का मौसम बदलते हुए समय के साथ अपनी पहचान खो चुका है। न तो अब गांव-शहर में पहले की तरह घर-आंगन में झूले पड़ते हैं और न महिलाएं मंगल गीत गाती है। विकास के नाम पर पेड़ तो पहले ही गायब हो चुके हैं, बाकि रही-सही कसर गगनचुम्बी इमारतों के बनने से पूरी हो गयी है। आज भागती दौड़ती जिंदगी ने सावन का उल्लास खत्म कर दिया, गांवों शहरों में सावन को महोत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन अब यह महोत्सव शहरों के बड़े-छोटे क्लबों तक सिमटकर रह गया है। महिलाएं क्लबों में जाकर सावन महोत्सव मना रही है, क्योंकि अब ना पेड़ों पर सावन में झूले डाले जाते हैं, ना ननद-भाभी की नोक-झोंक होती है। ना ही पिया परदेसी के आने का इतजार रहता है।

इसकी एक वजह है कि धीरे-धीरे हम प्रकृति से दूर होते गए, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर दी गई जिसकी वजह से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया और बड़े पेड़ नहीं होने से अब बागों में झूले नहीं दिखते। लोग अपनी बालकनी या टेरिस में लोहे के बने झूले पर ही झूलकर सावन का मजा ले लेते हैं।

जहां पहले पूरे महीने महिलाओं के हाथ मेंहदी से सजे रहते थे, सावन मास में महिलाओं का मूल परिधान लहरिया हुआ करता था। महिलाएं एक-दूसरे को पेड़ से तोड़कर सिलबट्टे से पिसी मेहंदी लगाती थी अब तो बस महिलाएं शौक से कभी-कभी प्रोफेशनल्स से रेडिमेड केमिकल युक्त मेहंदी लगवा लेती है। हम अपनी मान्यताओं, परंपराओं से दूर होते जा रहे हैं। प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, जिसका खामियाजा हमें भुगतना होगा।

भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। भगवान श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों के संग रास रचाते थे। झूला झूलना प्रकृति के प्रेम का प्रतीक होता है। सावन में खेले जाने वाले खेल अब यादों का हिस्सा बनकर रह गए हैं। हां जन्माष्टमी पर भगवान को झूला झुलाने की परम्परा अभी भी निभाई जाती है, लेकिन लोगों के जीवन से सावन का आनंद अब गायब हो गया है।

रिमझिम बारिश, बाग-बगीचों से मोर, पपीहा और कोयल की मधुर आवाज सावन के आने का संकेत दे देती थी। लेकिन अब घटते पेड़ तथा बढ़ते हुए कीटनाशकों का प्रभाव पक्षियों के विचरण को लगभग समाप्त कर दिया है। वैसे भी गांवों में अब बगीचे नाम

मात्र ही रह गए हैं।

गांव की बुजुर्ग महिलाओं की माने तो सावन के आते ही बहन-बेटियों को ससुराल से बुला लिया जाता था। घर में तरह-तरह के पकवान बनते थे, घेवर लाना जरूरी माना जाता था। पेड़ों पर झूला डाल कर महिलाएं दर्जनों सावन के गीत गाया करती थी, लेकिन आज भागदौड़ वाली जीवनशैली में लोगों के पास समय का अभाव है, ऐसे में सावन के गीत अब कहां सुनाई देते हैं।

शहरों में जगह की कमी ने परम्परा के निर्वाह में बाधा खड़ी कर दी है। अब झूले लगाने के लिए जगह की तलाश करनी पड़ती है। पहले संयुक्त परिवार में बड़े-बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे। जबकि एकल परिवार ने इस आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है। महिलाएं सामुदायिक केन्द्रों में तीज पर्व मनाती हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सभी एक दूसरे के साथ खुशियां बांटती हैं। सावन के झूले कहां हैं, अब तो लोग महंगाई के झूले झूल रहे हैं। भौतिकवाद ने एक-दूसरे के प्रति लगाव भी खत्म कर दिया है। लॉन में लोहे व बांस के झूले लगा लिए और हो गया परम्परा का निर्वाह। अब तो पहनावा भी आधुनिकीकरण की भेंट चढ़ गया है। अब तो लोग तीज के दिन मॉल में जाते हैं, फिल्म देखते हैं, खाना खाते हैं और मना लेते हैं सावन के पूरे त्योहार। ऐसे में सांस्कृतिक पर्वों, आयोजनों एवं परम्पराएं समाप्ति की कगार पर है। सावन ने अपना रूप बदल लिया है। अब वास्तविक सावन बीती यादों का अहसास बनकर रह गया है।

हमें त्योहार मनाते हुए उसके सांस्कृतिक एवं पारम्परिक पहलू का ध्यान रखना चाहिए। हमें त्योहारों को उनके मूल भावों के साथ ही

मनाना चाहिए। माना समय के साथ बदलाव जरूरी है पर हमेशा यह ध्यान रखे कि हमारी परंपराएं जो हमें सकारात्मक जीवन जीने का संदेश देती है उन्हें नहीं भूलना चाहिए।

- जयसिंह कुमावत

सह सम्पादक कुमावत इंडिया पत्रिका

विश्व जनसंख्या दिवस - 11 जुलाई

स्वास्थ्य अधिकारों तक पहुंच में ये अंतराल अस्वीकार्य हैं। इस लड़ाई में महिलाएं अकेली नहीं हो सकतीं। जैसा कि हम विश्व जनसंख्या दिवस मनाते हैं, आइए हम हर जगह, हर किसी के प्रजनन स्वास्थ्य अधिकारों को सुनिश्चित करने का संकल्प लें।

-संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस

विश्व जनसंख्या दिवस प्रतिवर्ष 11 जुलाई को अधिक जनसंख्या की समस्याओं को उजागर करने और पर्यावरण और विकास पर अधिक जनसंख्या के प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

पिछले कुछ दशकों में विश्व जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है वर्तमान जनसंख्या 7.8 बिलियन है और निरंतर जनसंख्या वृद्धि कई अन्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। इस प्रकार, परिवार नियोजन के महत्व, लैंगिक समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य और मानवाधिकार जैसे विभिन्न जनसंख्या मुद्दों के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है।

जनसंख्या इतनी तेजी से पहले कभी नहीं बढ़ी थी - 1950 में, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के पांच साल बाद, दुनिया की आबादी लगभग 2.6 बिलियन थी। 1987 में यह 5 बिलियन और 1999 में 6 बिलियन तक पहुंच गया। अक्टूबर 2011 में, वैश्विक जनसंख्या 7 बिलियन होने का अनुमान लगाया गया था। इस मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए एक वैश्विक आंदोलन 7 बिलियन एक्शन शुरू किया गया था। अगले 30 वर्षों में दुनिया की आबादी में 2 बिलियन लोगों की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो वर्तमान में 7.7 बिलियन से 2050 में 9.7 बिलियन हो गई है और 2100 के आसपास लगभग 11 बिलियन हो सकती है।

विश्व जनसंख्या रुझान : दुनिया की आबादी को 1 अरब तक बढ़ने में सैकड़ों-हजारों साल लगे - फिर सिर्फ200 साल या उससे भी ज्यादा समय में, यह सात गुना बढ़ गया। वर्ष 2011 में, वैश्विक जनसंख्या 7 बिलियन अंक तक पहुंच गई, और आज, यह लगभग 7.7 बिलियन है, और इसके वर्ष 2030 में लगभग 8.5 बिलियन, वर्ष 2050 में 9.7 बिलियन और वर्ष 2100 में 10.9 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। यह वृद्धि बड़े पैमाने पर प्रजनन आयु तक जीवित रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से प्रेरित है, और इसके साथ प्रजनन दर में बड़े बदलाव, शहरीकरण में वृद्धि और प्रवासन में तेजी आई है। आने वाली पीढ़ियों के लिए इन प्रवृत्तियों के दूरगामी प्रभाव होंगे।

हाल के दिनों में प्रजनन दर और जीवन प्रत्याशा में भारी बदलाव देखा गया है। 1970 के दशक की शुरुआत में, महिलाओं के औसतन 4.5 बच्चे थे, साल 2015 तक, दुनिया के लिए कुल प्रजनन क्षमता प्रति महिला 2.5 बच्चों से कम हो गई थी। इस बीच, औसत वैश्विक जीवनकाल 1990 के दशक की शुरुआत में 64.6 साल से बढ़कर 2019 में 72.6 साल हो गया है।

इसके अलावा, दुनिया शहरीकरण के उच्च स्तर और तेजी से प्रवासन देख रही है। 2007 पहला वर्ष था जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में अधिक लोग रहते थे, और 2050 तक दुनिया की लगभग 66 प्रतिशत आबादी शहरों में रह रही होगी। अभी चीन की आबादी 1.44 अरब तथा भारत की आबादी 1.38 अरब हो गयी है। अधिक आबादी का आशय है प्राकृतिक संसाधनों का अधिक दोहन, यह स्थिति भविष्य के लिए खतरनाक है। अधिक जनसंख्या वृद्धि जल, अन्न तथा निवास के लिए चुनौती होगी। इससे अपराधों में वृद्धि होगी तथा विश्वशान्ति भी खतरे में पड़ सकती है।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरस्वा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नथल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज मानीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर

विशिष्ट संरक्षक

वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुददीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद मानीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मँडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 रूपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराव नोखवाल, किशन मानपुरा, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोडसर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

18 मई श्रीमती दुर्गा देवी, धर्मपत्नी स्व. श्री श्रवण कुमार मानीवाल, गांधी पथ, जयपुर
18 मई श्री जगदीश कुमार ब्याड़वाल, सीकर रोड, जयपुर
18 मई श्रीमती सीता देवी धर्मपत्नी स्व. श्री देवीलाल दुबलदिया, रूपनगढ़, अजमेर
18 मई श्री जगदीश सिरोहिया , सिरोहियों की ढाणी, सांगानेर, जयपुर
21 मई श्रीमती दुर्गा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामेश्वर जालवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
21 मई श्री हनुमान प्रसाद मनेठिया, जयपुर
22 मई श्रीमती चन्द्रकान्ता धर्मपत्नी श्री भागचन्द सारड़ीवाल, श्रीराम नगर, फुलेरा, जयपुर
22 मई श्री मूलचन्द अजमेरा, मनोहर पैलेस, जैन छात्रावास के पीछे, सांगानेर, जयपुर
23 मई श्रीमती मलकू देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मगरलाल जलान्धरा, गोविन्दगढ़, जयपुर
24 मई श्री राजकुमार अनावड़िया, शास्त्री नगर, जयपुर
27 मई श्री ताराचन्द मरोडिया, गणपति विहार, सिरसी, जयपुर
27 मई श्री कन्हैयालाल ब्याड़वाल, हरनावपुरा, झोटवाड़ा, जयपुर
27 मई श्रीमती शांति देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामस्वरूप बैरा, कुमावत कॉलोनी, जयपुर
27 मई श्री हुकुम चन्द बारावाल, चौमूं, जयपुर
28 मई श्री लादूराम कारगवाल, महेश नगर, जयपुर
28 मई श्री कैलाश चन्द कुमावत, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर
28 मई श्री रामदयाल उदयवाल सांगानेर, जयपुर
31 मई श्रीमती तारा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री संतोश घोड़ेला, वनस्थली मार्ग, जयपुर
1 जून श्री ओमप्रकाश कण्डेरीवाल (विद्यावाचस्पति), कल्याण जी का रास्ता, जयपुर
2 जून श्रीमती भंवरी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री सुवालाल खोरानिया, झोटवाड़ा,ज यपुर
3 जून साक्षी कुमावत पुत्री श्री मनाहर बालोदिया, सोडाला, जयपुर
4 जून श्रीमती ग्यारसी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गजानन्द दौराया सांगानेर, जयपुर
4 जून श्री रूपनारायण तोंदवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
5 जून श्रीमती मीरा देवी धर्मपत्नी श्री सीताराम अनावडिया किशनगढ़, अजमेर
6 जून श्री रमेश चन्द वर्मा, मालवीय नगर, जयपुर
6 जून श्रीमती शिखा धर्मपत्नी श्री हेमराज जालवाल खातीपुरा, जयपुर
6 जून श्रीमती कैलाशी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री हनुमान सहाय सारड़ीवाल खातीपुरा, जयपुर
7 जून श्रीमती जानकी देवी धर्मपत्नी श्री भंवरलाल बासनीवाल, बगरू, जयपुर
9 जून श्रीमती भंवरी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री ताराचन्द वर्मा जालवाल, मुरलीपुरा, जयपुर
10 जून श्रीमती मायर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रमेश चन्द जी घोड़ेला, सांगानेर, जयपुर
10 जून श्रीमती ललिता कुमावत पत्नी श्री जितेन्द्र आसीवाल धौलीमंडी, चौमू
10 जून श्री भंवरलाल जी कोलूगरिया माहेश्वरी पेट्रोल पम्प के पीछे, चौमूं
11 जून श्री जगदीश खण्डारिया मदरामपुरा, सांगानेर, जयपुर
12 जून श्री शंकरलाल (राधे-राधे) निम्बीवाल, ग्राम वाटिक, जयपुर
18 जून श्री मुकेश कारगवाल, पुत्र श्री गोकुल नारायण कारगवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
अंकित	B.Com., ITI	Bike Reaparing shop	15.9.94	5'5''	देवतवाल	मारवाल	दम्बिवाल	मामोडिया	9024077878	जयपुर
डॉ. अनुराग	BPT (Physi.)	Clinic	4.8.84	-	देवतवाल	खरगटा	दाउेराया	बसवाल	9929623902	टोंक
कमलेश	M.A.	Private	13.7.96	5'9''	जलिन्द्रा	मारवाल	ब्याडवाल	झुनझुनोदिया	8104317177	सीमूं, जयपुर
दूलीचन्द	M.A., LLM	Advocate	13.10.94	5'10''	बरवाल	राजोरिया	करोडीवाल	मारवाल	9571318895	सीकर
शंकरलाल	12th	Contractor	16.5.92	5'9''	दम्बीवाल	दौराया	नागा	मारवाल	9950511162	मण्डभीम
पुनीत	M.Com., CA	LIC	20.11.92	5'4''	माचीवाल	काम्या	मनेठिया	मामोडिया	9799286300	जयपुर
दिनेश	B.Com.	Steel Work	14.5.95	5'8''	मडानिया	मारवाल	इतवाडया	मेहरवाल	9928778254	जयपुर
उमेश	B.A. (2nd) ITI	Electicion	2.1.95	5'4''	दादरवाल	मारवाल	सालडीवाल	धूवारिया	9602891756	सीकर
गिरिराज	M.A. Poletecnic	Shop	5.1.95	5'5''	खूखवाल	कूकरा	मरोडिया	लाडना	8094481952	देवली
मुकेश	B.A.	Steel shop	18.7.91	5'5''	नेमीवाल	सालडीवाल	मारोठिया	उजीवाल	9112778733	श्रीमाधोपुर
गौरव	M. Com.	Handi craft showroom	21.9.92	5'8''	जूनवाल	दोराया	सिरस्वा	खरक्टा	8302150095	स.माधोपुर
कमलदीप	B.Tech.	Pvt., Ltd.	11.7.94	5'8''	बासनीवाल	किरोड़ीवाल	जालवाल	कारगवाल	9983351454	जयपुर
दिनेश	M.Sc. (Phi.)	Oill Mill	9.10.97	5'9''	पीपलोदा	नोखवाल	राहोरिया	किरोड़ीवाल	9829552801	कुचामनसिटी
विरेन्द्र	Automobile Engin.	Pvt. Job	16.8.95	-	तोनगिरिया	बालोदिया	खूंखवाल	चूरिया	9413006949	बारां
टीकमचंद	M.Com..PGDCA	Accountent	5.11.94	5'7''	ऊंटवाल	चन्देरिया	बालोदिया	माचीवाल	8107441944	टोंक
करन वर्मा	M.Sc. (Chem.)	Chemist	3.11.93	5'7''	बासनीवाल	कारगवाल	सालडीवाल	मुनेनिया	9252747915	भीलवाड़ा
अभिषेक	B.Tech. (C.S.)	Job in MNV	25.7.90	6'0''	दादरवाल	सिधमार	कारगवाल	करड़वाल	9982202100	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
मेघा	M.Sc. (Nursing)	Assitance Professor	28.10.91	5'3''	लोवरिया	टांक	मारवाल	धनेरिया	9636811191	भीलवाड़ा
आयुषि	B.Tech (CS)	-	31.8.99	5'4''	घोड़ेला	बागरेचा	घूमेरिया	मालवीया	7023044401	आबू रोड
डिम्पल	M.A., B.Ed.	-	19.6.88	5'0''	बबेरीवाल	धुंधारिया	कैकट्या	तूंदवाल	9351167370	जोधपुर
आकांशा	M.Sc., MA.	Govt. Teacher	18.10.86	5'3''	मोरवाल	भोड़ीवाल	तूंनवाल	जलान्द्रा	9413567490	झुंझुनूं
चेतना	B. Tech.	-	19.5.93	5'3''	घोड़ेला	इटाडा	देवतवाल	दम्बीवाल	9116034858	जयपुर
नीलम	B.A., B.Ed.	-	17.6.95	5'0''	पलडिया	देवतवाल	कुण्डलवाल	बागोरा	7568903006	अजमेर
किरण	M.Tech (BITS)	Tata Boeing Aerospace	16.3.94	5'5''	सनगार	चांदोरा	मालवीया	तिलायचा	9313723675	जोधपुर
मनीषा (मांगलिक)	M.Com. (ABST)	-	14.7.93	5'3''	बबेरवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	9828390772	जयपुर
दिव्या	B.Tech (CS)	-	29.6.91	5'3''	भोरोदिया	छाबल्या	खूखवाल	खटवाल	8947992776	जयपुर
प्रीति	M.A.	Private	18.10.97	-	सिरोहिया	राजोरिया	निरानिया	देवतवाल	7222002242	जयपुर
सोनल	B.Com.,CS,ICSI	-	4.4.93	5'5''	मांवर	किरोड़ीवाल	बेडवाल	माचीवाल	7879807478	अजमेर
वैष्णवी	B.Sc., DFLED	-	18.8.99	5'2''	धुंधारिया	बालोदिया	बिर्थला	खाटूवाल	9719132191	दिल्ली
आरती	B.Com. (Hons.)	Private	3.10.94	5'5''	मारोठिया	वनावडिया	घोड़ेला	दमीवाल	9462247479	अजमेर
रितिका	M.Com.	-	7.1.94	5'2''	अनावडिया	खोवाल	होदकास्या	सिरोहिया	9828992089	जयपुर
अंजली	M.Com. (BADM)	-	15.12.94	5'4''	सिरोहिया	खड़गटा	होदकास्या	घोड़ेला	8619905811	जयपुर
सीमा	M. A.	Beauty Parlor	3.9.98	5'2''	बदरा	छापोला	धमानिया	नागा	9950150318	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री चन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

लाई. सी. अम्. विद्यापीठ
सीनियर सैकण्डरी स्कूल

Nikita Rajawat XII th Science 98.60%
Roll No. 1584284

Shaili Saini XII th Commerce 96.00%
Roll No. 1814445

Sahil Kuldeep X th 96.33%
Roll No. 1495780

Divya Bairwa X th 89.83%
Roll No. 1495767

Deepak Sonwal X th 89.50%
Roll No. 1495763

Hemlata Prajapat XII th Arts 87.40%
Roll No. 3150986

Kartika Kuldeep XII th Arts 86.00%
Roll No. 3150987

Gaurav Meena
Roll No. 3150984
XII th Arts 86.00%

Sorabh Meena
Roll No. 3150992
XII th Arts 85.40%

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आप एक अबोध बालक दें। और होनहार नागरिक लें।

गणतंत्र दिवस समारोह पर लाई.सी.अम् विद्यापीठ की बालिकाएं

अन्तराष्ट्रीय योगा दिवस पर योगा करते हुये विद्यार्थी

वृक्षारोपण करते विद्यार्थी

प्रवेश प्रारम्भ

निश्चित सफलता के लिए सम्पर्क करें।

लाई. सी. अम्. विद्यापीठ

शिशु से कक्षा 12 तक (कला, विज्ञान, वाणिज्य) वाहन सुविधा, कम्प्यूटर, शिक्षा हॉस्टल व्यवस्था एवं बालिकाओं की पृथक व्यवस्था

करतारपुरा, जयपुर मो. 9829143475

सुनील कुमावत (एडवोकेट)
निदेशक, लाई. सी. अम्. विद्यापीठ
सीनियर सैकण्डरी स्कूल

कला	विज्ञान	वाणिज्य
• इतिहास • राजनीति विज्ञान • भूगोल • अर्थ शास्त्र • हिन्दी विशेष • चित्रकला • अंग्रेजी विशेष • गृह विज्ञान • संस्कृत • संगीत	• भौतिक विज्ञान/ • रसायन विज्ञान • जीव विज्ञान /गणित	• लेखाशास्त्र • व्यावसायिक संगठन • बैकिंग /टाईप/कम्प्यूटर

आप एक अबोध बालक दें।
और होनहार नागरिक लें।

स्व. श्री ओम प्रकाश कण्डेरीवाल (विद्यावाचस्पति) शिक्षाविद्, इतिहासकार एवं वास्तुशास्त्री

वर्ष 1936 में स्व. श्री कालूराम कण्डेरीवाल व श्रीमती मनफूली देवी के परिवार में एक रत्न ने जन्म लिया जिनका नाम था 'ओमप्रकाश कण्डेरीवाल'। आप बाल्याकाल से ही तीक्ष्ण बुद्धि के धनी तथा समाज के पुरातन सामाजिक तथ्यों व वास्तुशास्त्र में रुचि रखते थे। आपने महाराजा संस्कृत कॉलेज, जयपुर से वर्ष 1953 में शिक्षा ग्रहण की। पढ़ाई के दौरान आपने अनेक प्रतियोगिताओं में भाग ले मेडल जीते। आप सरकारी विद्यालय में शिक्षक भी रहे।

आपका विवाह मशालदार स्व. श्री सेडूराम जी मियाणिया की पुत्री से वर्ष 1953 में हुआ। आपके 2 पुत्र और 4 पुत्रियां हैं। आपके अनेक लेख जयपुर की विरासत में कुमावत समाज के योगदान, वास्तुशास्त्र, इतिहास, महिला उत्थान आदि विषयों पर प्रकाशित हुए हैं। आपका उद्‌बोधन अनेक वास्तुशास्त्र की गोष्ठियों एवं सम्मेलनों में हुआ। अनेक संस्थाओं ने आपकी विद्ववता को पहचान कर आपको सम्मानित किया जिनमें आर्यसंस्कृति दिग्दर्शन, वेदांक परिषद, समाज की संस्थाएं प्रमुख हैं। आपके द्वारा कुमावत समाज का इतिहास बड़ी मेहनत से रिसर्च कर लिखा गया, जिसे प्रबुद्धजन, समाजजनों द्वारा सराहा गया।

आपने जयपुर के बाल निवास ट्रस्ट में प्रमुख ट्रस्टी के रूप में कार्य किया तथा वहां बाल बक्श घोड़ेला छात्रावास का वर्ष 1960 से संचालन किया। कुमावत क्षत्रिय सभा, जयपुर के भी वर्ष 1960 में मंत्री बनाये गये तथा आपने संस्था के विधान का निर्माण एवं पंजीयन कराया था।

आपकी कार्यशैली व समाज के लिए कुछ करने की इच्छाशक्ति की समाजबन्धुओं ने सदैव सराहना की है। आप अन्त तक एक ऊर्जावान दीपक की तरह प्रकाशित होने वाले युग पुरुष थे। किन्तु यह व्यक्तित्व दिनांक 1.6.2022 को हमेशा के लिए हमसे बिछुड़ गया।

आदरणीय स्व. श्री ओमप्रकाश कण्डेरीवाल जैसी विभूतियां कभी-कभी इस लोक में आती हैं। इनके योगदान को कुमावत क्षत्रिय समाज कभी भुला नहीं पायेगा। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार इनके निधन पर इन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

श्री रमेश चन्द वर्मा चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट

श्री रमेश चन्द वर्मा का जन्म 10 जून 1946 को स्वर्गीय श्री मालीराम जी वर्मा एवं स्वर्गीय श्रीमती सुविरा के परिवार में हुआ। श्री मालीराम वर्मा सुप्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउन्टेंट थे, उनकी कांग्रेस में विशेष पहचान थी। श्री रमेश चन्द वर्मा चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट बने तथा अपने प्रोफेशन में पिता की भांति सौम्य व्यवहार, ईमानदारी एवं पेशेवर कुशलता से आर. वर्मा एण्ड कम्पनी का सफल संचालन किया। आपका विवाह श्रीमती भगवती (पुत्री स्वर्गीय श्री मोतीलाल जी नवलगढ़ वाले जो अभी मुम्बई निवासी हैं) से हुआ था। आपके भ्राता दिनेश, मनोज व सुबोध हैं। आपके एक पुत्री ममता है जिसका विवाह श्री मुकेश वर्मा (मरोडिया) के साथ हुआ है।

आपने शांत स्वभाव के साथ संतोषी जीवन व्यतीत किया तथा धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सदैव सहयोग किया। 6 जून, 2022 को आपके निधन से समाज ने एक अच्छा व्यक्तित्व खो दिया है। इस कमी को पूरा करना संभव नहीं है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से स्वर्गीय श्री रमेश चन्द वर्मा को सादर श्रद्धांजलि।

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की मीटिंग सम्पन्न

19 जून 2022 को कुमावत प्रगति ट्रस्ट की मीटिंग श्री जय किशन सोकिल, ट्रस्टी की अध्यक्षता में हुई। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के प्रकाशन के 5 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है, इसको ध्यान रखते हुए महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ, जिसमें कुमावत इंडिया पत्रिका का जुलाई-अगस्त 2022 का संयुक्त अंक एक विशेषांक के रूप में निकालने का निर्णय भी लिया गया।

आँखें दान कर किसी दूसरे को दुनिया दिखाने में बने सहारा

श्री अशोक जी कुमावत पुत्र स्वर्गीय श्री बाबूलाल जी कुमावत (देवतवाल) धार्मिक ओर सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहते थे, इन्होंने मुहामी रोड, बुबानी में चंचल हनुमान व दुर्गा माता मंदिर बनवाया। अशोक जी कुमावत की पहचान अशोक महाराज के नाम से थी। ये मंदिर की 25 वर्षों से सेवा पूजा कर रहे थे मंदिर में हर समय चाय-पानी व खाना और पीना नि:शुल्क वितरित किया जाता था। वे आयुर्वेद की दवा भी दिया करते थे।

इन्होंने सोमवती अमावस्या के दिन 30.5.2022 को सभी घर वालो को फोन करके बुलाया की पुष्कर स्नान करने जाना है, पूरा परिवार एक साथ पुष्कर गया। पुष्कर घाट पर ही 30 मई, 2022 अशोक जी ब्रह्मलीन हो गए। इनके परिवारजनों ने उनकी आँखें दान करने की भावना प्रकट की जिसको जे.एल.एन. अस्पताल, अजमेर के डॉक्टरों ने स्वीकार कर पूरे परिवार को धन्यवाद दिया। ऐसे परिवार जीते जी तो सभी की सेवा करते है। देवलोक गमन करने के बाद भी लोगों की सेवा करके ऐसी सेवा का अवसर प्राप्त करते है। ऐसे परिवार को हृदय से साधुवाद।

चिड़िया चोंच भर ले गई घटे न सागर नीर
दान करे सू धन ना घटे कह गए दास कबीर

इनके पिता स्वर्गीय श्री बाबूलाल जी कुमावत (देवतवाल) सेवा भावी सामाजिक और धार्मिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहने वाले थे, उन्होंने नसीराबाद तहसील के ग्राम पंचायत मुख्यालय मावशिया और किशनगढ परिक्षेत्र में जन-जन के आराध्य एवं विघ्नहर्ता श्री खोड़ा गणेश जी में 21 कुंडीय यज्ञ करवाया तथा खोड़ा गणेश में राजकीय विद्यालय की तीन बीघा भूमि में चारों तरफ दीवार करवाई थी। इनके पुत्रों में भी उनके ही गुण कूट कूट कर भरे हुए हैं। इनके दूसरे पुत्र श्री सुनील जी देवतवाल किशनगढ़ परिक्षेत्र के निवर्तमान अध्यक्ष है, इन्होने तीन चार सालो में किशनगढ़ में कई अद्वितीय सामाजिक कार्य करवाए, किशनगढ़ परिक्षेत्र के 11 गाँवों को एक करना, सामाजिक गोठ व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन, ब्लड डोनेशन कैम्प, सामाजिक जनजागरण रैली, सामाजिक जनगणना अभियान, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामजी की रामनवमी के पावन पर्व पर ऐतिहासिक झाकी प्रतिवर्ष निकालना आदि अनेक सामाजिक कार्य करवाये है।

श्री अशोक कुमावत देवतवाल **'कुमावत इंडिया'** की ओर से सादर श्रद्धांजलि

- नन्दकिशोर पारमवाल,
मदनगंज-किशनगढ मो. न. 9667090499

श्रद्धांजलि

8वीं पुण्यतिथि
28.06.2022
स्व. डॉ. देवीलाल वर्मा (हान्या)
हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

स्व. 20.06.2014

श्रद्धान्वत :
धर्मपत्नी : श्रीमती श्यामा देवी - 99295 88490
पुत्र - पुत्रवधु : डॉ. भूपेश डी. वर्मा (व्याख्याता राज. महाविद्यालय, शिवगंज) 9829014178 - सुनीता वर्मा
धीरज वर्मा (पुलिस निरीक्षक, राजस्थान पुलिस) 9929442200 - मंजू वर्मा
डॉ. नीलकमल वर्मा 9672982592 (जैनपेक्ट, जयपुर) - निशा वर्मा
पुत्री - दामाद : दीपा - सुरेन्द्र कुमावत (प्रशासनिक अधिकरी, एल.आई.सी)
भतीजे : ओमप्रकाश, मनीष, विजय कुमार, गजेन्द्र
पौत्रियाँ : डीमियाँ, कोनिया, निकिता, गर्विता, दीपिता
पौत्र : लोवेश, दोहित्री : जूही

निवास : 72, एस.बी. विहार, गली नं. 5, महिमा अपार्टमेंट्स के पास, न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर - 302 019

14वीं पुण्यतिथि
23 जून, 2022

स्व. श्री देवीलाल जी बालोदिया
हम सब परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं
श्रीमती बसंती देवी (धर्मपत्नी) • डॉ. मदन बालोदिया (भ्राता)
स्व. विनोद-शशिकला, चेतन-अंजली, चन्द्रप्रकाश-कांता, दिनेश-भावना (पुत्र एवं पुत्रवधु)
सुनील-रेणु, रवि-रिम्पल, पराग-मिन्ना, रोनित (पौत्र एवं पौत्रवधु)
विशाखा, चंचल व जया (पौत्री)
अंशुल, आशना, आरव, आर्यश (प्रपौत्र एवं प्रपौत्री)
राजबाला-श्री नारायण कारगवाल, ब्यावर (पुत्री-दामाद)
टिंकल-श्री कमल अनावड़िया • निकिता-श्री विजय मारवाल
सोनिया - नरेश मारवाल • प्रियंका - श्री भूपेश खूंखवाल (पौत्री-दामाद)

राज ब्लॉक्स
ऑफिस : गोलछा सिनेमा के सामने, सांई बाबा के मंदिर के पास, चौड़ा रास्ता, जयपुर
फोन: 0141-2315584, 4020156, मो: 9829059312, 9829436551
फैक्टरी : बी-81, रोड़ नं 4, बाईस गोदाम, इण्डस्ट्री एरिया, जयपुर
फोन: 0141-4022538, मो: 9414052736, 9928910068

तीन वर्ष के इन्तजार के बाद जून 2022 में अमेरिका, आस्ट्रेलिया से पधारे परिवार के सदस्यों का

हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) सेवा ट्रस्ट परिवार

डॉ. मिधिर कुमावत, ऑस्ट्रेलिया

बैठे हुए बायें से दायें : श्री पवन कुमावत (धुंधारिया) (U.S.A.), गोद में बेबी मिराया, मास्टर काव्यांश, बेबी नायशा, श्री मोहित धुंधारिया पूना, पीछे खड़े श्रीमती दीप्ती (U.S.A.), श्रीमती कीर्ति (पूना)

बैठे हुए : श्री महेन्द्र कुमावत (आस्ट्रेलिया) श्री भरत राहोरिया पूना, श्री विक्रम बैथाड़िया, अलवर, पीछे खड़े हुये : श्रीमती पूनम कुमावत पूर्व मिस राजस्थान, नीतू राहोरिया, रेखा बैथाड़िया

चि. हैप्पी का चौथा जन्मदिन 16 जून, 2022

सौजन्य : कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट (रजि.) जयपुर

कार्यालय : 85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर 9461618994

खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004 मो. : 9351682036

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018